PHARMA दर्पण

Editor- Brijesh Garg | www.medicaldarpan.com | Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No.- BSR 52/2020-2022 RNI UPBIL 04044

Year 09 | Issue 10 | D.O.P. 20 June 2020 | Pages 08 | ₹ 10/- Per Copy | ✆ 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

Professional People For Marketing And Franchisees May Contact For Profit Sharing Business

AYURVEDIC & NUTRACEUTICALS
Comprehensive Formulation Facility
- Third Party Manufacturing
- Export Enquiries for Regulated Markets
- PCD Franchises for unrepresented Area
- Monopoly Business Rights

Tablets, Capsules | Syrup & Sachet | Oil | Powder | External Preparation

BLUESTAR | MAYLEBENS | BLUESTAR

घर पर रहें, सुरक्षित रहें

Are You looking for ASTHMA RANGE OF PRODUCTS?

Rediclen | Redivent | BudeBest | BudeBest-Duo | Foratab | BBVENT | Inspihaler | Inspicare

Also Available

CALL: +91 98869 00085

URGENTLY REQUIRED

Approved manufacturing Chemist with minimum 4-5 year experience for small volume

PARENTERAL UNIT

at

Jassur Near Pathankot

9811087302, 7876530063

Mail us: dgupta32@yahoo.co.in

Forgo Pharmaceuticals (P) Ltd.

- Knee & Ankle Support
- Body Belts & Braces
- Fracture Aids
- Cervical Aids
- Fingers, Wrist & Arm Supports

A wide range of products available for Third Party & PCD marketing

Tablets & Capsules | Nutraceuticals & Protein Powders
Oral Liquids & Dry Syrup | Dietary Supplements
Injectables | Herbal Preparations
Eye Drops, Ear Drops & Nasal Drops | Wide range of Skin Care Cosmetics
Creams, Lotions, Gels & Ointments | Veterinary Drugs
Shampoo & Soaps | Vaccines & Pre Filled Syringes
Aerosols & Form Fill Seal (FFS)

Our Speciality Divisions

More then 1000 products
All new molecules available
Third party manufacturing also done

Forgo | Arvesis | Corus | Elegance | Yashvan | Kardic | Forgo Labs | Spark | Forever

Corporate Office: Plot No. 92, Ind. Area Phase-I, Panchkula Haryana 134113
Mfg. Unit Forgo Pharmaceuticals (GMP/GLP/WHO Certified Unit) (AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)
27, D.I.C IND AREA, Baddi, Distt. Solan (HP)

Mankind Pharma Launches Drug For Treatment Of Infertility In India

Mankind Pharma, Ph:- 011-46541111 With the launch, the company has become the first Indian and second global firm to develop the drug, Mankind Pharma said in a statement. Drug firm Mankind Pharma said it has launched its generic Dydrogesterone tablets for the treatment of infertility and pregnancy-related conditions in the Indian market. With the launch, the company has become the first Indian and second global firm to develop the drug, Mankind Pharma said in a statement. The company's product is a generic version of Abbott's Duphaston tablets, it added. The manufacturing process of Dydrogesterone is very complex as it involves the conversion of natural progesterone, the statement said. Progesterone is a natural hormone involved in the menstrual cycle, implantation, and in successful maintenance of pregnancy. Any deficiency of progesterone during different stages of the reproductive process can cause infertility, menstrual disorders and miscarriage, it added. "The launch of this drug is an important milestone for Mankind Pharma. We are the first Indian pharmaceutical company to develop this drug and second company in the world," Mankind Group founder and Chairman R C Juneja said.

सभी देशवासियों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनायें

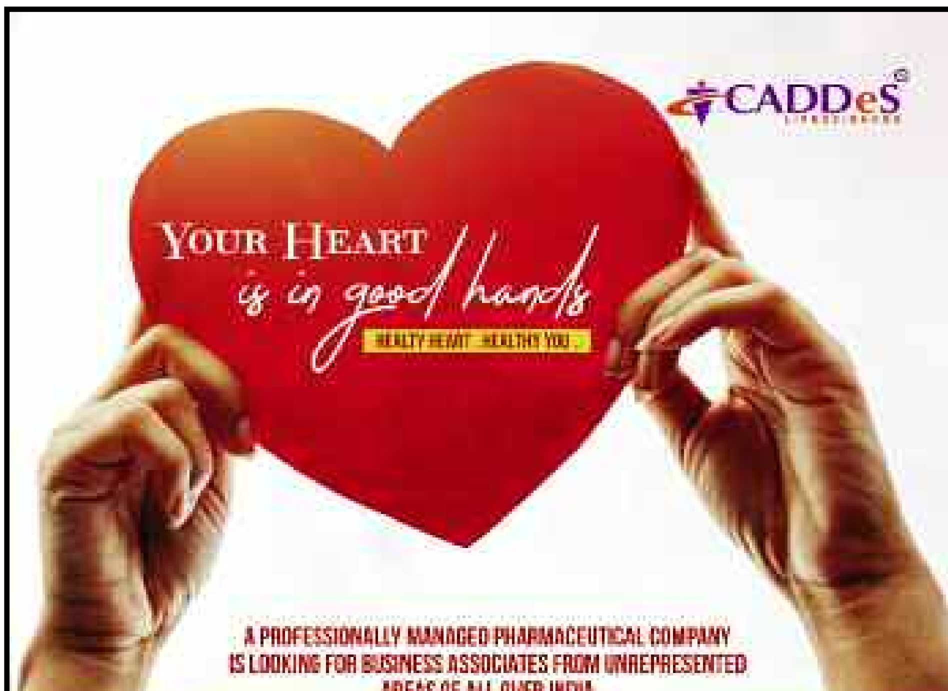

A PROFESSIONALLY MANAGED PHARMACEUTICAL COMPANY IS LOOKING FOR BUSINESS ASSOCIATES FROM UNREPRESENTED AREAS OF ALL OVER INDIA

WIDE RANGE OF DIABETIC, CARDIAC & GENERAL

SOME OUR SPECIAL PRODUCT RANGE PACKING

SPARE CAPACITY AVAILABLE FOR 3RD PARTY MANUFACTURING

TRADE ENQUIRIES ARE WELCOME FOR PCD/FRANCHISEE ON MONOPOLY BASIS

CADDeS

Call For PCD Franchise: +91 98724-44554, 98789-77174, 73411-11858,

Lifevision healthcare

Complete Ortho., Cardio-Diabetic, Gynae, Paed., General, Gastro, Derma Range available

Create Your Own Destiny

Assured Quality Efficacy & Stability

A Professionally Managed Pharma Company offers Monopoly Rights to market its products on Franchisee/PCD basis on State/District level all over INDIA

OVER 1000 molecules

DCGI Approved Molecules

THIRD PARTY MANUFACTURING PROPOSALS INVITED

Trade Enquiries are welcome For monopoly rights in Unrepresented areas
Only financially sound parties/Pharma Professionals may contact

We offer: Monopoly Rights, Visual Aids, Samples, Gift Articles

Wide Range Of: Tablets, Capsules, Softgels, Injectables, Neutraceuticals, Syrup, Dry Syrup, Drops, Nasal Drops, Ointments, Hormones, All Derma Range

LIFEVISION HEALTHCARE

Plot No 11-12, Dainik Bhaskar Building, Sector 25 D, Chandigarh (160014)

E-mail: lifevisionmarketing3@gmail.com, bluewater.chd@gmail.com

Web: www.lifevisionhealthcare.co.in, www.bluewaterresearch.co.in

हर इंसान अपनी जुबान के पीछे छुपा हुआ है अगर उसे समझना है तो उसे बोलने दो.

Work More Always Smile.

दवा उद्योग ने ली राहत की सांस, सीमा शुल्क विभाग ने बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर पड़ी चीन की सभी खेपों को किया साफ!

दवा निर्माताओं ने राहत की सांस ली है. दरअसल, सीमा शुल्क निकासी के लिए बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर झूठ बोलने वाले चीन के सभी खेपों को सीमा शुल्क विभाग ने मंजूरी दे दी है. की स्टार्टिंग मटेरियल (KSM), ड्रग इंटरमीडिएट्स एंड एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स (APIs) और COVID संबंधित चिकित्सा उपकरणों के साथ-साथ अन्य लोगों के बीच निदान के लिए आयातित चीनी खेप (Imported Chinese consignments) शामिल हैं, जो बंदरगाहों और हवाई अड्डों में विशेष रूप से न्हावा शेट्टी पोर्ट, मुंबई और दिल्ली हवाई अड्डों पर पिछले कुछ समय से अटके हुए थे. वहीं, सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा दिन साफ कर दिए गए हैं। बता दें कि, मंगलवार शाम से ये चीजें आगे बढ़ने लगीं हैं. इंडियन ड्रग्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (IDMA) के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, वीरानी शाह ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, "बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर आयात गतिविधियां सामान्य स्थिति में लौट आई हैं। शायद ही कोई खेप सीमा शुल्क अधिकारियों के पास पड़ी हो. हमारे सदस्यों में से किसी ने भी शिकायत नहीं की है. वहीं, अब तक सीमा शुल्क अधिकारियों से मंजूरी के लिए बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर खेपें पड़ी हैं." बता दें कि, भारत-चीन सीमा पर जारी गतिरोध के बीच चीन के मूल खेपों को रोकने के लिए देश भर में सीमा शुल्क आयुक्तों के अनौपचारिक आदेशों के बाद आयातित चीनी खेप बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर अटक गई. वहीं, भारतीय निर्यातकों को चीनी बंदरगाहों पर विलंबित लदान का सामना करना पड़ रहा है. इसे गंभीरता से लेते हुए, फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (Pharmeñcil) ने सरकार से आयातित केएसएम, ड्रग इंटरमीडिएट और एपीआई, COVID उपकरणों के अनुमोदन के निदान अधिकारियों द्वारा लाने की अपील की है. अध्यक्ष दिनेश दुआ ने वाणिज्य मंत्रालय और जनरल (DCGI) ने की अपील के बाद इस हस्तक्षेप किया है, और मंत्रालय को भेजे गए हैं. पास पहुंचने के बाद शुरू हो गई है. कस्टम ने करना शुरू कर दिया है, कर रहे हैं कि चीजें जल्द जाएंगी." 27 जून, 2020 ने वाणिज्य मंत्रालय,

संबंधित चिकित्सा साथ-साथ चीन से न्हावा शेवा में तेजी Pharmeñcil के कहा, "भारत के ड्रग्स कंट्रोलर Pharmeñcil's मुद्दे पर लगातार इसे थ्रिलर वित्त वित्त मंत्रालय के आपूर्ति फिर से खेपों को साफ और हम उम्मीद ही सामान्य हो को उद्योग निकाय प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, कैबिनेट सचिव, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), फार्मास्यूटिकल्स विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को SOS भेजा था, जो चीन से आने वाले शिपमेंट क्लीयरेंस है. इसने उनसे हस्तक्षेप करने का आग्रह किया, ताकि बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर जल्द से जल्द चीनी खेपों की निकासी सुनिश्चित हो सके. बता दें कि, चीनी मूल की खेप सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा 22 जून, 2020 से ड्रग कंपनियों को निंद्राहीन रातों के निरीक्षण के लिए आयोजित की गई थी, क्योंकि वे प्रति दिन लगभग 3.5 लाख रुपये डिमर्जेज चार्ज में खर्च कर रहे थे. दवा कच्चे माल की आपूर्ति के लिए भारत चीन पर 70% निर्भर है। चीन के चौंबर ऑफ कॉमर्स के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में चीन ने भारत में 10.12 मिलियन टन एपीआई का निर्यात किया, जो कि सालाना 8.83 प्रतिशत था। भारत का थोक दवा आयात 2019 में 249 बिलियन रुपये के मूल्य पर पहुंच गया है. Pharmeñcil के अध्यक्ष ने कहा कि Pharmeñcil कई सदस्य कंपनियों के संकट कॉल के साथ बढ़ गया है। साथ ही एक सप्ताह से अधिक दवा उत्पादों के निर्माण में तीव्र व्यवधान आया है। बहुत महत्वपूर्ण KSM, दवा मध्यवर्ती और API को सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा उन कारणों के लिए मंजूरी नहीं दी जा रही है, जो उद्योग को बिल्कुल नहीं जानते हैं। यहां तक कि चिकित्सा उपकरणों और डायग्नॉस्टिक्स के महत्वपूर्ण उपकरणों जैसे कि इन्फ्रारेड थर्मामीटर और पल्स ऑक्सीमीटर है, जो विशेष रूप से COVID डायग्नोसिस के उद्देश्य से होते हैं. खासकर न्हावा शेवा पोर्ट, मुंबई और दिल्ली के हवाई अड्डों पर भी ग्लूकोमीटर और स्ट्रिप्स आयोजित किए जाते हैं। भारत का आत्मनिर्भर मिशन यानी "आत्म निर्भारता" अपना समय चरणबद्ध तरीके से लेगा, जिसके लिए सरकार ने फार्मा पार्क्स जैसे महान प्रोत्साहन को प्रस्तुत किया, जिसे "प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव्स (PLIs) भी कहा. इस बीच, वैश्विक COVID-19 महामारी के वर्तमान संकटपूर्ण और चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, दवा उद्योग इस चुनौती से निपटने के लिए बढ़ गया है, और यह सुनिश्चित करना जारी रखा है कि सरकार के अनुसार देश में कहीं भी किसी भी दवा की कोई कमी नहीं है. दुआ ने कहा कि मई 2020 में निर्यात में 27% की वृद्धि हुई। 2019 में 2 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक, भारत 'फार्मेसी टू द वर्ल्ड' के साथ-साथ एक बहुत ही मानवीय, उदार देश है, जो 100 से अधिक देशों में महत्वपूर्ण COVID संबंधित दवाओं की आपूर्ति कर रहा है. वहीं, पीएमओ, वाणिज्य मंत्रालय, बाहरी मामलों के मंत्रालय और आदि के माध्यम से विश्व स्तर पर देश के लिए एक बड़ी सद्भावना अर्जित हो रही है. उन्होंने आगे कहा कि आयात हालिया व्यवधान, दवा निर्माण इकाइयां, विशेष रूप से एपीआई इकाइयां और डेंटल कंट्री की छवि को प्रभावित कर सकता है.

श्री जगदीश प्रसाद गर्ग, मैनेजिंग डायरेक्टर HK Lifesciences PVT LTD, Delhi मीडिया हाऊस कार्यालय में कोरोना योद्धा सम्मान पत्र ग्रहण करते हुये

वेदशिव बिजनेस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली के डायरेक्टर शिवम शर्मा जी ने मीडिया हाऊस कार्यालय में अपना कोरोना योद्धा सम्मान पत्र ग्रहण किया.

मोतियाबिंद, कालापानी रेटीना और कलर ब्लाइंडनेस को बिना ऑपरेशन ठीक कर विश्व में नया इतिहास रचा यू.पी. रत्न इमेरिटस प्रो. डॉ॰ महेंद्र सिंह बासु ने

डॉ॰ महेंद्र सिंह बासु

हमारे देश को आजाद हुए 72 वर्ष हो गए हैं परंतु दुर्भाग्य यह है कि अंधता के क्षेत्र में हमारा देश सबसे पिछड़ा हुआ हैं. भारत के 1.2 करोड़ से भी ज्यादा व्यक्ति दृष्टिहीन है जिसमें भारत सरकार करोड़ों रुपए खर्च करके भी सफल नहीं हो पा रही हैं. इसका सबसे बड़ा कारण है कि अंधता केवल मोतियाबिंद से ही नही होती बल्कि इसके रेटिना से संबंधित और भी कई कारण हैं जिनका अभी तक विश्व में इलाज नहीं है. मोतियाबिंद का सारी दुनिया में केवल ऑपरेशन ही होता है. जिसमें 20%-25% लोगों की ऑपरेशन के दौरान ही नजर नहीं आ पाती है या ऑपरेशन के कुछ वर्ष बाद नजर गिर जाती हैं. क्या डब्लू. एच. ओ. द्वारा वर्ष 2020 तक विश्व में अंधता को कम करने का जो निर्णय लिया गया वह इस प्रकार से पूर्ण होगा. नेत्र ज्योति की समस्या के समाधान हेतु सस्ता, सुलभ और सुरक्षित इलाज की एक किरण जगाई है. स्टेडियम रोड स्थित डॉक्टर बासू आँख का अस्पताल बिना ऑपरेशन मोतियाबिंद रेटिना निवारण केंद्र बरेली के डायरेक्ट मशहूर नेत्र विशेषज्ञ ईमेरिटस प्रो. डॉ महेंद्र सिंह बासू ने कई वर्ष के अथक परीक्षण करके आयुर्वेदिक दवा आइसोटीन आई ड्रॉप एवं अन्य दवाइयों का आविष्कार किया हैं. जो न केवल मोतियाबिंद को ही ठीक करती है बल्कि रेटीना से संबंधित उन सभी बीमारियों को भी ठीक करती है. जिनका विश्व में अभी तक इलाज संभव नहीं है. जैसे- डायबिटिक रेटिनोपैथी, कलर ब्लाइंडनेस, कालापानी, मैक्यूलर डीजेनरेशन, रेटिनाइटिस पिगमेनटोसा, दूर-पास की नजर आदि को ठीक कर अभी तक 8.50 नम्बर तक उतर चुके हैं. उपरोक्त सभी बीमारियों में या आंखों के किसी भी ऑपरेशन के बाद जो नजर कम हो जाती है किसी भी आयु में आंखों में दवा डालने के 5 मिनट बाद नेत्र ज्योति हर हाल में वापस आने लगती है जो कि स्थिर भी रहती हैं. अभी तक डॉ. बासू ने लॉयन्स, रोटरी क्लब एवं अनेकों सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के माध्यम से हजारों आई कैंप करके हजारों लोगों की नजर लौटाई है. इसी कारण से डॉ. बासू को सैकड़ो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एवार्ड भी प्राप्त हो चुके हैं. डॉ बासु की दवाइयों को भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड और पेटेन्ट भी किया जा चुका है. अपने देश में ही नहीं विश्व में अंधता निवारण हेतु एलोपैथिक विशेषज्ञों द्वारा पके मोतियाबिन्द के मरीजो का आपरेशन करके एवं दृष्टि दोष के मरीजो को डॉ. बसू द्वारा अविष्कृत दवाओ द्वारा उनका इलाज करके अपने देश में ही नही विश्व में अन्धता निवारण की समस्या का समाधान किया जा सकता है. नेत्र ज्योति रक्षा के लिए निम्न बातों का अवश्य ध्यान रखना चाहिए- 1. तेज धूप में काला चश्मा पहन कर ही धूप में जाये जिससे अल्ट्रा वायलेट किरणों से सुरक्षा हो सके. 2. चलती बस, ट्रेन, कार आदि में न पढ़े. 3. लेटकर न पढ़े और बैठकर पढ़ते समय लाइट पीछे से आनी चाहिए सीधे आंखों में नजर पढ़ने से बचना चाहिए. 4. ज्यादा देर तक इलैक्ट्रिक वैल्डिंग, सूर्य एवं सूर्य ग्रहण देखने से बचना चाहिए. 5. आजकल टीवी घर-घर में बहुत देखा जाने लगा है कम देखें व और लगातार न देखें. 6. कंप्यूटर पर लगातार कार्य न करें बीच-बीच में आंखों को आराम अवश्य दें. ज्यादा एंटीबायोटिक स्टोराइड का प्रयोग न करें. क्योंकि इससे मोतियाबिंद एवं पर्दे की बीमारियां जल्दी होने की संभावना बनी रहती है.

- अधिक जानकारी के लिए डॉक्टर बासु आँखों का अस्पताल बिना ऑपरेशन मोतियाबिंद रेटिना निवारण केंद्र 21B-22B एकता नगर बरेली उत्तर प्रदेश

Mob:- 8881001234, 7060235559, www.drmsbasu.com, www.isotineeyedrops.com, Email: isotineeyedrops@rediffmail.com

डायबिटीज से हो सकता है अंधापन इलाज की इस नई तकनीक से करें बचाव

डायबिटीज एक ऐसा रोग है जिसकी चपेट में आज हमारे देश के लगभग 7 करोड़ लोग हैं. डायबिटीज ऐसा रोग है जो आँखों की रोशनी छीनने में पाँचवे नंबर पर है. डायबिटीज के मरीजों को हर साल एक बार अपनी आँखों की जाँच जरूर करानी चाहिए. इस पर काबू नहीं की तो आँख की रोशनी (अंधता) जाने का खतरा काफी बढ़ जाता है. **70 फीसदी तक मरीज आते हैं:-** पीजीआई नेत्र रोग विभाग की प्रमुख डॉ. कुमुदिनी शर्मा ने बताया कि संस्थान के इंडोक्राइन विभाग से ही रोजाना डायबिटीज के 70 से अधिक मरीज आते हैं. इनमें से 60 से 70 फीसदी डायबिटीज मरीजों में आँख के पर्दे की जाँच में दिक्कत मिलती है. जो डायबिटीज की वजह से होता है. यानी कि इन डायबिटीज मरीज की आँख की रोशनी जाने का खतरा रहता है. ऐसे में इनका तुरंत इलाज किया जाता है. डॉक्टर का कहना है कि अस्पताल में आने वाले डायबिटीज के मरीजों में सबसे ज्यादा युवा हैं. **डायबिटीज की जांच के लिए टेस्ट:- ए1सी टेस्ट:-** आमतौर पर प्री डायबिटीज और टाइप 2 डायबिटीज का पता लगाने के लिए इस टेस्ट का इस्तेमाल किया जाता है. जबकि टाइप 1 डायबिटीज या गर्भावधि मधुमेह के लिए ए1सी टेस्ट का इस्तेमाल नहीं किया जाता है. ए1सी टेस्ट ब्लड शुगर में होने वाले रोज-रोज के उतार-चढ़ाव को नहीं बताता बल्कि पिछले 2-3 महीने में होने वाले उतार-चढ़ाव को बताता है. यह हीमोग्लोबिन और लाल रक्त कोशिकाओं से जुड़े ग्लूकोज की मात्रा को भी नापता है. यह ट्रेडिशनल ग्लूकोज टेस्ट की तुलना में रोगियों के लिए अधिक सुविधाजनक होता है क्योंकि इसमें फास्टिंग की जरूरत नहीं होती है. इस टेस्ट को दिन में किसी भी समय किया जा सकता है. **फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज टेस्ट (एफपीजी):-** फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज टेस्ट (एफपीजी) को ग्लूकोज फास्टिंग टेस्ट भी कहते हैं. यह टेस्ट बिना कुछ खाये-पिए सुबह के समय किया जाता है. टेस्ट से पहले फास्टिंग से ब्लड शुगर का सही स्तर पता करने में मदद मिलती हैं. यह टेस्ट बहुत ही सटीक, सस्ता और सुविधाजनक होता है. ग्लूकोज फास्टिंग टेस्ट प्री डायबिटीज और डायबिटीज का पता लगाने का सबसे लोकप्रिय टेस्ट है. हालांकि कई बार प्री डायबिटीज के मामले में इस टेस्ट से रिजल्ट नहीं मिलते हैं. **ओरल ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट:-** यह टेस्ट ऐसे व्यक्ति को करने के लिए कहा जाता है जिसको डायबिटीज का संदेह तो होता है परन्तु उसका एफपीजी टेस्ट ब्लड शुगर के स्तर को नॉर्मल दर्शाता है. ओरल ग्लूकोज टॉलरेंस टेस्ट को (ओजीटीटी) भी कहा जाता है. इस टेस्ट से करीब 2 घंटे पहले लगभग 75 ग्राम एनहाइड्रस ग्लूकोज को पानी में मिलाकर पीना होता है तभी शुगर के सही लेवल की जाँच की जा सकती है. ओजीटीटी टेस्ट करने के लिए कम से कम 8 से 12 घंटे पहले कुछ नहीं खाना होता है. **रैंडम प्लाज्मा ग्लूकोज (आरपीजी):-** रैंडम प्लाज्मा ग्लूकोज (आरपीजी) टेस्ट का प्रयोग कभी-कभी एक नियमित स्वास्थ्य जाँच के दौरान पूर्व मधुमेह या मधुमेह का निदान करने के लिए किया जाता है. अगर आरपीजी 200 लिटर का दशमांश प्रति माइक्रोग्राम या उससे ऊपर दिखाता है तो व्यक्ति में मधुमेह के लक्षणों का पता चलता है, तो चिकित्सक डायबिटीज का पता लगाने के लिए अन्य टेस्ट करता है.

www.medicaldarpan.com

Professional People For Marketing And Franchisees
May Contact For Profit Sharing Business
AYURVEDIC & NUTRACEUTICALS
Comprehensive Formulation Facility
• Third Party Manufacturing
• Export Inquiries for Regulated Markets
• PCD/Franchisee for unrepresented Area
• Monopoly Business Rights
Tablets, Capsules
Syrup & Sachet
Oil (Herbal & Cosmetic)
Powder Protein Powder Whey & Herbal Protein
External Preparation Cream, Lotion, Face Wash, Shampoo & Soap
BLUE STAR LABORATORIES
MAYLEBENS INDIA PVT. LTD.
BLUE STAR NUTROSANDTA PVT. LTD.
Office: 206, Blue Star Plaza, Sarja Mkt, Opp. M2K, Sector 7, Rohini, Delhi-110085
Works: Plot No.-6, Sector-56, Phase-4, HSIIDC, Kundli-131028 (Haryana)
Ph.: 011 2704 0437, 9810165707
Email: bsnspl@gmail.com

Never Break Good Relation

Commited to Better Health......
Enquires solicited for Franchise & Third Party Manufacturing
TABLETS
INJECTABLES
CAPSULES
EYE/EAR DROPS
PROTEIN POWDER
NUTRACEUTICALS
OINTMENT
LIQUID
DRY SYRUP / DROP
SOAP / SHAMPOOS
DERMA CARE
SKIN CARE
FOOD SUPPLEMENT
We Provide all kind of PROMOTIONAL MATERIAL
• Visual Aid Folders • Visiting Cards
• Leave Behind Cards • M.R. Bags
• Reminder Cards • Order Books
• Catch Cover • Gifts etc.
NEW DCGI MOLECULES
MORE THAN 200 PRODUCTS
MONOPOLY RIGHTS
TIMELY DELIVERIES
Onida
Contact
C-7, Industrial Area, Meerut Road, Behind Uttam Toyota Showroom, Meerut Road Ind. Area, Ghaziabad, U.P. 201001
Mob.: + 91 90157 67779, + 91 98102 32877
E-mail : onidahealthcare@gmail.com

बच्चों और बड़ों दोनों को होता है इस्केमिक हार्ट डिजीज का खतरा यह है इसके खतरे और लक्षण

वर्ल्ड हार्ट डे यानी विश्व हृदय दिवस हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है. दिल हमारे शरीर का सबसे ज्यादा संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंग है. इस्केमिक हार्ट डिजीज या इस्केमिक दिल की बीमारियाँ ऐसे रोग हैं जो रक्तप्रवाह में कमी के कारण होते हैं. अचानक हुई मौत में से ज्यादातर का कारण यही इस्केमिक हार्ट डिजीज होते हैं. इन्हें कोरोनरी धमनी रोग (CAD) या कोरोनरी हृदय रोग (CHD) भी कहा जाता है. ये एक ऐसी स्थिति है जिसमें हृदय को ऑक्सीजन युक्त रक्त की आपूर्ति करने वाली धमनियों में प्लाक बन जाता है. ये प्लाक वसा, कोलेस्ट्रॉल, कैल्शियम और रक्त में मौजूद अन्य पदार्थों की वजह से बनता है. **सबसे ज्यादा मौतों का कारण है इस्केमिक हार्ट डिजीज:-** कोरोनरी आर्टरी डिजीज या कार्डियो वस्क्युलर बीमारी के ज्यादातर मामलों का मुख्य कारण 'अथीरोमा' कही जाने वाली वसा धमनियों के अंदर जम जाती है, जिन्हें प्लाक भी कहा जाता है. प्लाक धमनियों को संकुचित करके ऑक्सीजन युक्त रक्त के प्रवाह का हृदय की माँसपेशी की ओर जाना कम करता है जिसके कारण एंजाइना (सीने में दर्द) या एक दिल का दौरा पड़ सकता है. दुनिया भर में सीएडी एक बहुत ही आम हृदय रोग और मृत्यु का एक प्रमुख कारण है. **क्यों होता है इस्केमिक हार्ट डिजीज:-** जब प्लाक धमनियों में जमा होती रहती है, तो समय के साथ इसकी सतह बढ़ती जाती है और खून के बहाव में रूकावट होने लगती है. इसके कारण एंजाइना का दर्द होने लगता है. ऐसा अधिकतर तब होता है जब इस सतह पर खून का थक्का बन जाता है. ऐसा होने पर हृदय की मांसपेशी के एक हिस्से में अचानक खून की कमी हो जाती है और वह क्षतिग्रस्त हो जाता है. इस अवस्था को ही हार्ट अटैक कहते हैं. अगर ये क्षति सीमित हो तो हृदय अपनी पहली वाली अवस्था में लौट सकता है लेकिन यदि नुकसान अधिक हो तो मौत भी हो सकती है. **बच्चों में इस्केमिक हृदय रोगों के लक्षण:-** जन्मजात हृदय की समस्याओं वाले कई व्यक्तियों में बहुत ही कम या कोई लक्षण नहीं पाये जाते. लेकिन कुछ गंभीर मामलों में लक्षण दिखाई देते हैं, खासतौर पर नवजात शिशुओं में यह प्रत्यक्ष होते हैं. इन लक्षणों में सामान्यत: तेजी से साँस लेना, त्वचा, होंठ और उंगलियों के नाखूनों में नीला. पन, थकान और खून का संचार कम होना शामिल हैं. दिल के दौरे के लक्षणों में व्यायाम के साथ थकान शामिल है. साँस रोकने में तकलीफ, रक्त जमना और फेफड़ों में द्रव जमा होना तथा पैरों, टखनों और टांगो में द्रव जमा होना. जब तक बच्चा गर्भाशय में रहता है या जन्म के तुरंत बाद तक गंभीर हृदय की खराबी के लक्षण साधारणत: पहचान में आ जाते हैं. लेकिन कुछ मामलों में यह तब तक पहचान में नहीं आते जब तक कि बच्चा बड़ा नहीं हो जाता. **वयस्कों में इस्केमिक हृदय रोगों के लक्षण:-** अचानक सीने में दर्द दिल का दौरा पड़ने का संकेत हो सकता है, लेकिन अन्य चेतावनी के संकेत भी काफी मामलों में प्रत्यक्ष होते हैं. • आपको एक या फिर दोनो हाथों, कमर, गर्दन, जबड़े या फिर पेट में दर्द और बेचैनी महसूस हो सकती है. • आपको साँस की तकलीफ, ठंडा पसीना आना, मतली या चक्कर जैसे लक्षण हो सकते हैं. • आपको व्यायाम या अन्य शारीरिक श्रम के दौरान सीने में दर्द हो सकता है जिसे एंजाइना कहते हैं. जो कि जीर्ण कोरोनरी धमनी की बीमारी (CAD) के आम लक्षण हैं. • लगातार साँस टूटने की अत्यधिक तीव्र तकलीफ दिल के दौरे की चेता. वनी है. लेकिन हो सकता है यह अन्य हृदय की समस्याओं का संकेत हों.

VIREN CARE NUTRIMED PVT. LTD.
Plant : 1/196, Kh.No. 452, Navodaya Nagar, Haridwar
R.Office : 33, Krishna Vihar, Hari Chowk, IP 2, SIDCUL Haridwar (Uttarakhand) INDIA-249402
(An ISO 9001, HACCP & GMP Certified Company)
Helpline No. : +91-7417414002
We are Haridwar Based Nutraceutical Manufacturer, Ayurvedic & Pharmaceutical Marketing Company. We have spare capacity for 3rd party manufacturing. We have Syrups, Drops, Capsules, Tablets, Glucose, Energy Drink and Protein Powder Sections.
CERTIFIED BY
*GMP
*ISO:9001
*HACCP
*MSME
*FSSAI
VIREVIT-NUTRA VIREVIT PLUS ARVINEXT
Sheviron-FC VIREDIC PLUS VCNPL-VIZZ
We are also looking for Franchise Associates From all over INDIA. Having 150+ Brands
Vijay Vir Singh - Founder & CEO
Anil Kumar - Director
Lalit Kumar - Director
Call us : 7417414002, 8894641111, 7060161119

MEETING OF PHARMA PERSONS WITH DISTRIBUTION CHANNEL PUT ON HOLD

This is as per discussion with Mr Sandeep Nagia president of (RETAIL DISTRIBUTION CHEMIST ALLIANCE AFFILIATED TO AIOCD) Mr Nagia Phone No. 8287936607 inform Media that impact of Kovid-19 is very high in Delhi as compared to other states in India. The members of RDCA are working day in and day out to give selfless service to the ailing humanity, and are at a risk of being infected of the COVID 19.He also release a circular with the statement that "MR/DM/SM are the integral part ofthe supply chain and its their job is to visit the other people of the chain but as of now and till the END of this pandemic COVID 19, their visits have to be put on HOLD to all Retailers Wholesalers, Distributors and CNF." He had advised to the cpmpanies to instruct their field staff to NOT to visit the supply chain establishments in Delhi till the situation returns to normal. All our members are available on Phone, Emails, Whatsapp and other modes of communication so that day to day work is not disturbed, When Medicare media asked Mr Nagia the time period for hoding of meetings of Field persones he did not provide any appropiate date for the same because cases are increasing day by day he said a circular will release soon after suitation will under control.

- Mukul Sharma, Mob:- 8800337133.

APS
A Name Synonym With Topmost Quality & Time Bound Deliveries
WHO-GMP & ISO 9001 CERTIFIED COMPANY
THIRD PARTY MANUFACTURING FACILITIES AVAILABLE WITH SPARE CAPACITY
TABLETS
CAPSULES
ORAL LIQUIDS
BETALACTAM & NON-BETALACTAM
OINTMENTS & LOTION
Dry syrup
PREMIUM BRANDS
More than 100 Brands
Visual- Aids
Attractive Packing in Blister / Alu - Alu / Strip
Full promotional Support
Catch-Cover
AZMET ESTY FERROGOLD PEPZIT APSTEL ONCY-OZ Kofrol Plus RABIK DSR LINPED AFTROVAS PSYCOPIR OTRONOX LV-FLEX
PLEASE CONTACT :
APS BIOTECH PVT LTD
Plot No. 21, Raipur, Bhagwanpur, Roorkee- 247661 (Uttarakhand)
Mob.:- 09395947077, 09719311088, 09719411089
Website : www.apsbiotech.in

क्षणिकाएं

फैसला
बीड़ी छोड़ने का निर्णय, उन्होने तब लिया.
जब उनके पुत्र ने, उनके सामने सिगरेट पिया.

अनवरत
जीवन वाक्य में, विराम न लाओ.
चलते ही जाओ, बस चलते जाओ.

चयन
मीठा और मिथ्या, उनसे बच पाओ.
कड़वा और सत्य, उनसे निभा जाओ.

प्रभाव
डॉक्टर का, जब मुस्कराना.
रोग का, शीघ्र सुधर जाना.

परिचय
जैसे ही उसने, मेक-अप हटाया.
आईना भी उसको पहचान न पाया.

अग्रता
भविष्य के भय, को ठुकराओ.
वर्तमान के लय, को अपनाओ.

एकाकी
भीड़ में अकेलापन, कभी न कभी.
मन को भाता है, खुशी लाता है.

दिशा
अपने अंदर, अच्छाई लाना है.
त्याग की भावना, को जगाना है.

अत्यधिक
स्वयं पर, अति विश्वास.
प्रगति का, सत्यानाश.

स्वयं
हमारा संग्राम, हमें लड़ना है.
किसी और को, क्यों पड़ना है.

– डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म॰प्र॰)
मो॰ 9753698240.

A Fastest Growing Pharma Company with a wide range of Products...
DERMAFARM (A Derma Care Division)
GOLDEN BUSINESS OPPORTUNITY
(Super Stockist, Stockist, Distributors, Experienced Professional)
3rd Party Manufacturing in WHO Plant
A very wide range of latest molecules:
TABLETS CAPSULES OINTMENTS LIQUIDS AYURVEDIC SHAMPOO SOAPS SUN SCREEN LOTION
Itraconazole 100mg / 200mg Capsules
Luliconazole 1% Cream
Sertaconazole 2% Cream
Hydroquinone, Tretinoin, Mometasone Cream
Hydroxyzine 10mg / 25 mg Tablets
Fusidic Acid 2% Cream
Minoxidil 2% / 5% / 10% Lotion
Permethrin 5% Lotion / Cream
Clotrimazole Dusting Powder
Ketoconazole Shampoo
Our Successfully Running Divisions:
Farma Hub Capriana ZankinsOrganics
For queries please contact :
Ph: +91-8171011413, 9837187230
Email.: info@farmahub.in | farmahub@gmail.com

Tulsi Pearl
Drops
इम्युनिटी भरपूर
आयुर्वेद का विशवास
तुलसी के दुर्लभ गुण
आर्लेक की गुणवत्ता
arlak
शरीर से रोग होगा कोसों दूर
राम तुलसी यह किडनी रोग, कफ, अस्थमा, ल्यूकोडर्मा व ब्लड शुगर की समस्याओं में ज्यादा गुणकारी है यह एंटी-बैक्टीरियल है
कृष्ण तुलसी खून साफ, रक्त प्रवाह ठीक करता है हार्ट एवं हाई ब्लड प्रेशर की समस्या में भी काफी गुणकारी है
शुक्ल तुलसी सर्दी-जुकाम में राहत प्रदान करती है और शुक्ला तुलसी मुंहासों को कम करने में भी सहायता करती है
विष्णु तुलसी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए व आलस्य दूर कर शरीर में स्फूर्ति बढ़ाता है
वन तुलसी सांस की दुर्गंध व प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है चेहरे की चमक व शारीरिक कमजोरी दूर करता है
Tulsi Pearl
SWASTH RUB 80 TM
HAND SANITIZER
Drops of TRUST
arlak
WHO RECOMMENDED
80% Alcohol Content
On Purchase of Tulsi Pearl Drops (M.R.P. :149.00)
Get Swasthrub 100 ml Sanitiser (M.R.P. : 50.00)
Free of Cost
SPECIAL OFFER
Hurry up !
Grab the opprtunity.....
Contact : 7696263636 | 7717377163
www.arlakbiotech.com | Healthbuffet.com

विटामिन डी की कमी से बच्चों में आता है गुस्सा और चिड़चिड़ापन खिलाएं ये 7 फूड्स

क्या आपको हैरानी नहीं होती जब छोटे बच्चों को गुस्सा आता है या वे जिद करते हैं? बच्चों में चिड़चिड़ेपन को अक्सर लोग परिवार के किसी सदस्य का अनुवांशिक असर मानकर नजर. अंदाज कर देते हैं. मगर बच्चों के चिड़चिड़े स्वभाव का कारण उनमें विटामिन डी की कमी बी हो सकती है. जी हाँ, हाल में हुई एक रिसर्च में इस बात का खुलासा किया गया है कि विटामिन डी की कमी से छोटे बच्चों में चिड़चिड़ेपन की समस्या हो सकती है. ये रिसर्च 'जर्नल ऑफ न्यूट्रीशन' नाम के जर्नल में छापी गई है. इस रिसर्च में पता चलने वाली मुख्य बातें और विटामिन डी वाले आहार, जिन्हें बच्चों को खिलाने से चिड़चिड़ापन दूर होगा. **क्या कहती है रिसर्च?:-** Journal of Nutrition में छपे एक नए रिसर्च के अनुसार विटामिन डी की कमी से स्कूल जाने वाले (5 साल से बड़े) बच्चों में एक तरह का चिड़चिड़ापन आ जाता है और उनका व्यवहार आक्रामक हो जाता है. इसके अलावा ऐसे बच्चे अपने आप में खोए हुए, चिंतित और अवसादग्रस्त हो जाते हैं. इन बच्चों में जल्दी-जल्दी मूड बदलने (मूड स्विंग्स) की समस्या देखी जाती है. ये रिसर्च मिशिगन यूनिवर्सिटी द्वारा की गई है. हमारे शरीर के स्वास्थ्य के साथ-साथ विटामिन्स और पोषक तत्व हमारे मूड को भी प्रभावित करते हैं. आपको शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए सभी तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है. इस रिसर्च के लिए प्राइमरी स्कूल में पढ़ने वाले 5 साल से 12 साल की उम्र के 3202 बच्चों पर अध्ययन किया गया. इन बच्चों की रोजाना की आदतें, माँ-बाप का शैक्षिक बैकग्राउंड, वजन, लंबाई और उनके खानपान आदि को ध्यान में रखकर शोधकर्ताओं ने आँकड़े जुटाए और फिर ब्लड टेस्ट किया. इसके बाद उन्होंने निष्कर्ष दिया कि छोटे बच्चों में विटामिन डी की कमी से व्यवहार परिवर्तन की समस्या बढ़ गई है. **बच्चों में विटामिन डी की कमी:-** मुख्य शोधकर्ता प्रोफेसर Eduardo Villamor बताते हैं कि जिन बच्चों में स्कूली शिक्षा के दौरान विटामिन डी की कमी होती है, उनमें बिहैवियर प्रॉब्लम और चिड़चिड़ेपन की समस्या ज्यादा देखी गई है. आपको बता दें कि बच्चों के स्वभाव में चिड़चिड़ेपन की समस्या पिछले कुछ समय में काफी बढ़ गई है. छोटी उम्र में ही बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर इतना गुस्सा आता है कि वे गुस्से के कारण चीजों को तोड़ने-फोड़ने और खुद को नुकसान पहुँचाने में भी नहीं सोचते हैं. **क्यों हो रही है बच्चों में विटामिन डी की कमी?:-** गाँवों की अपेक्षा शहरों में बच्चों में विटामिन डी की कमी ज्यादा तेजी से बढ़ी है. विटामिन डी का सबसे अच्छा प्राकृतिक स्रोत सूरज की किरणें हैं. आजकल शहरों में बच्चे बाहर पार्क में खेलने के बजाय घर के अंदर रहना ज्यादा पसंद करते हैं. इसके अलावा आजकल स्कूलों में बच्चों को इतना काम दे दिया जाता है, जिससे उनके पास खेलने-कूदने का टाइम नहीं मिलता है. ये बच्चों में विटामिन डी की कमी के बड़े कारण हैं. इसके अलावा बच्चों में जंक फूड्स, रेडी टू ईट फूड्स, सॉफ्ट ड्रिंक्स आदि की लत के कारण भी विटामिन डी की कमी हो जाती है. **विटामिन डी की कमी पूरी करने वाले आहार:-** विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत दूध है, इसलिए बच्चों को रोज रात में एक ग्लास दूध जरूर पिलाएं. • योगर्ट भी विटामिन डी का अच्छा स्रोत है. बच्चों के लंच बॉक्स में खाने या सलाद के साथ योगर्ट दे सकते हैं. • मशरूम विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत है इसलिए बच्चों के लंच और डिनर में मशरूम वाली डिशेज बनाकर दें. • चीज खाना बच्चों को पसंद होता है. चीज में भी अच्छी मात्रा में विटामिन डी होता है. • अंडे के पीले हिस्से में विटामिन डी होता है. • संतरे का जूस भी विटामिन डी का अच्छा स्रोत है. • मछलियाँ विटामिन डी का अच्छा स्रोत हैं.

कोरोना वायरस क्या है? लक्षण

कोरोना वायरस का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है, जिसके संक्रमण से जुक़ाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है. कोरोना वायरस विषाणु के एक बहुत बड़े परिवार का हिस्सा है लेकिन इनमें से सिर्फ 6 विषाणु ही ऐसे हैं जो इंसानों को संक्रमित कर सकते हैं. **लक्षण-** नाक बहना, खांसी, जुकाम, सिरदर्द, बुखार, गले में खराश. **बचाव-** इलाज नहीं है उपलब्ध. संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छीकनें से, किसी व्यक्ति के बिल्कुल करीब जाकर, **वायरस फैलने से कैसे रो. कें-** हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोएं या सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें, खांसतें और छीकतें वक्त डिस्पोजेबल टिशू का इस्तेमाल करें. इस्तेमाल किए गए टिशूज को फेंक दें (इसके बाद हाथ धो लें), टिशू नहीं है तो छीकतें और खांसते वक्त अपने बाजू का इस्तेमाल करें, बिना हाथ धोए अपनी आंखों, नाक और मुंह को ने छुएं. जो बीमार है उनके संपर्क में न आने की पूरी को. शिश करें. - सतीश सेठी, मो॰ 6396782575.

जीवन और मृत्यु का सत्य

जीवन का सत्य: 1- यह सिर्फ रूप की बदलाहट है. दिन में तुम जागे थे, रात सो जाओगे. दिन और रात एक ही चीज के रूपांतरण हैं. जो जागा था, वही सो गया. बीज में वृक्ष छिपा है. जमीन में डाल दो, वृक्ष पैदा हो जाएगा. जब तक बीज में छिपा था, दिखायी नहीं पड़ता था. मृत्यु में तुम फिर छिप जाते हो, बीज में चले जाते हो. फिर किसी गर्भ में पड़ोगे; फिर जन्म होगा और गर्भ में नहीं पड़ोगे, तो महाजन्म होगा, तो मोक्ष में विराजमान हो जाओगे. मरता कभी कुछ भी नहीं. विज्ञान भी इस बात से सहमत है. विज्ञान कहता है कि किसी चीज को नष्ट नहीं किया जा सकता. **2-** विज्ञान कहता है पदार्थ अविनाशी है. एक रेत के छोटे से कण को भी विज्ञान की सारी क्षमता के बावजूद हम नष्ट नहीं कर सकते. पीस सकते हैं, नष्ट नहीं कर सकते. पीसने से तो रूप बदलेगा. रेत को पीस दिया, तो और पतली रेत हो गयी. उसको और पीस दिया, तो और पतली रेत हो गयी. हम उसका अणु विस्फोट भी कर 'सकते हैं. लेकिन अणु (Molecule)टूट जाएगा, तो परमाणु (Atom) होंगे. रेत और पतली हो गयी. BUNDLE OF Energy- हम परमाणु को भी तोड़ सकते हैं, तो फिर इलेक्ट्रान, पाजिट्रान(पोजीटिव इलेक्ट्रोन),फोटॉन (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन) रह जाएंगे. रेत और पतली हो गयी... मगर नष्ट कुछ नहीं हो रहा है; सिर्फ रूप बदल रहा है. **3-** विज्ञान ने पदार्थ की खोज की, इसलिए पदार्थ के अविनाशत्व को जान लिया. धर्म कहता है, चेतना अविनाशी है, क्योंकि धर्म ने चेतना की खोज की और चेतना के अविनाशत्व को जान लिया. विज्ञान और धर्म इस मामले में राजी हैं कि जो है, वह अविनाशी है. मृत्यु है ही नहीं! तुम पहले भी थे; तुम बाद में भी होंगे, और अगर तुम जाग जाओ, अगर तुम चौतन्य से भर जाओ, तो तुम्हें सब दिखायी पड़ जाएगा कि कब क्या थे? **4-** तुम इस देह को छोड़ोगे, तो दूसरी देह में प्रविष्ट हो जाओगे. तुम इस चित्तदशा को छोड़ोगे, तो नयी चित्तदशा मिल जाएगी. तुम अज्ञान छोड़ोगे, तो ज्ञान में प्रतिष्ठित हो जाओगे; मगर मिटेगा कुछ भी नहीं. मिटना होता ही नहीं.सब यहां अविनाशी है. अमृत इस अस्तित्व का स्वभाव है. मृत्यु है ही नहीं और जो है ही नहीं, उसकी व्याख्या कैसे करें? उदाहरण के लिए ये ऐसा ही है, जैसे तुमने रास्ते पर पड़ी रस्सी में भय के कारण सांप देखा. भागे, घबड़ाए, फिर कोई मिल गया, जो जानता है कि रस्सी है, उसने तुम्हारा हाथ पकड़ा और कहा मत घबड़ाओ, रस्सी है? तुम्हें ले गया; पास जाकर दिखा दी कि रस्सी है. **5-** एक डाक्टर कह सकता है कि मैंने सैकड़ों मृत्युएं देखी हैं. लेकिन ये गलत है, उसने सैकड़ों मरते हुए लोग देखे होंगे, लेकिन मरते हुए लोग देखने से क्या होता है! तुम बाहर यही देख सकते हो कि सांस धीमी होती जाती है; धड़कन डूबती जाती है. मगर यह मृत्यु थोड़े ही है. यह आदमी अब ठंडा हो गया, यही देखोगे, मगर इसके भीतर जो चेतना थी, कहां गयी? उसने कहां पंख फैलाए? वह किस आकाश में उड गयी? वह किस द्वार से प्रविष्ट हो गयी? किस गर्भ में बैठ गयी? वह कहां गयी? क्या हुआ? उसका तो तुम्हें कुछ भी पता नहीं है. **6-** जिस दिन मृत्यु झूठ हो जाती है, उसी दिन जीवन भी झूठ हो जाता है. क्योंकि वह मृत्यु और जीवन हमारे दोनों एक ही भांति के दो हिस्से हैं. जिस दिन मृत्यु झूठ हो गयी, उस दिन जीवन भी झूठ हो गया. उस दिन कुछ प्रगट होता है, जो मृत्यु और जीवन दोनों से अतीत है. उस अतीत का नाम ही परमात्मा है; जो न कभी पैदा होता, न कभी मरता, जो सदा है. **क्या मृत्यु के बाद जीवन होता है?** 1- मृत्यु की समाप्ति और जीवन का अनुभव एक ही सीमा पर होते हैं, एक ही साथ होते हैं. जीवन को जाना कि मृत्यु गई, मृत्यु को जाना कि जीवन हुआ, अगर ठीक से समझें तो ये एक ही चीज को कहने के दो ढंग हैं. ये एक ही दिशा में इंगित करने वाले दो इशारे हैं. यदि एक बार यह पता चल जाए कि मैं अलग हूं, तो जीवन का अनुभव शुरू हो गया. **2-** कैसे होगी वह दुनिया जिस दिन सारा जगत जानेगा ..भीतर से ,कि आत्मा अमर है! उस दिन मृत्यु का सारा भय विलीन हो जाएगा! उस दिन मरने का भय भी विलीन हो जाएगा, मारने की धमकी भी विलीन हो जाएगी. उस दिन युद्ध विलीन होंगे, उसके पहले नहीं, जब तक आदमी को लगता है कि मारा जा सकता है, मर सकता हूं, तब तक दुनिया से युद्ध विलीन नहीं हो सकते. चाहे सारी दुनिया में अहिंसा के कितने ही पाठ पढ़ाए जाएं. जब तक मनुष्य को भीतर से यह अनुभव नहीं पैदा हो सकता कि जो है, वह अमृत है, तब तक दुनिया में युद्ध बंद नहीं हो सकते. **3-** लेकिन एक अदभुत प्रवं. चना आदमी पैदा करता है. भीतर वह देखता है कि शरीर क्षीण हो रहा है, जवानी गई, बुढ़ापा आ रहा है और भीतर दोहरा रहा है कि आत्मा अजर-अमर है. वास्तव में,वह अपना विश्वास जुटाने की, हिम्मत जुटाने की कोशिश कर रहा है-कि मत घबराओ ..मौत तो है, लेकिन ऋषि-मुनि कहते हैं कि आत्मा अमर है. आत्मा की अमरता का सिद्धांत मौत से डरने वाले लोगों का सिद्धांत बन गया है. **4-** लोग जीवन को जीने से भयभीत हैं, मृत्यु से नहीं, क्योंकि जीवन एक समस्या है जिसे सुलझाना है. जीवन में हजारों जटिलताएं हैं जिनका समाधान होना है. जीवन में इतने सारे आयाम हैं कि तुम निरंतर किसी न किसी चिंता में होते हो . .. कि क्या जिस आयाम में तुम गति कर रहे हो, वह सही है या फिर तुमने सही आयाम को पीछे छोड़ दिया है?" यदि मृत्यु का भय होता है, तो इसका मतलब है कि कुछ कमियां हैं जिन्हें पूरा नहीं किया गया है. तो मृत्यु के वे भय बहुत संकेतात्मक और सहायक हैं. वे दर्शाते हैं कि तुम्हारे जीवन की मशाल की भभक को दोनों सिरों से एक साथ जलना होगा. **5-** भविष्य के सम्बन्ध में विचार मत करो, अतीत के सम्बन्ध में मत सोचो. स्मृतियों में मत जाओ क्योंकि वह व्यर्थ है; बस भीतर चले जाओ. तुम्हें क्या हो रहा है... उस प्रक्रिया में चले जाओ. वह तुम्हें बहुत सी बातें प्रकट करेगा. यदि तुम उन छिद्रों को भेद देते हो तो तुम पूर्णतया रूपांतरित हो जाओगे. तुम उनको फिर से भरने का प्रयास नहीं करोगे, मगर फिर भी तुम प्रेम कर सकते हो ..बिना किसी को भीतर लिए हुए और वहां पर कोई गहरी आवश्यकता को पूर्ण करे बिना. **6-** एक क्षण वह है, दूसरे क्षण वह जा चुका है. वह एक साबुन का बुल. बुला है; छोटी से चुभन और वह गया. वास्तव में जितना तुम जीवन को समझते हो उतना तुम आश्चर्य से भरते हो की वह कैसे अस्तित्व में है! तब मृत्यु समस्या नहीं है; जीवन समस्या बन जाता है! मृत्यु स्वाभाविक लगती है. यह एक चमत्कार है की जीवन अस्तित्व में है; इतनी कामचलाऊ चीज, इतनी क्षणिक चीज और मात्र यह अस्तित्व में ही नहीं है, लोग इस पर श्रद्धा करते हैं. लोग इस पर निर्भर रहते हैं, लोग इस पर भरोसा करते हैं. **7-** हर एक मरता हुआ व्यक्ति तुम्हें अपनी मृत्यु के निकट ला रहा है, तो हर मृत्यु आधारभूत रूप से तुम्हारी मृत्यु है. हर मृत्यु में कोई मर रहा है और पूर्ण विराम के निकट आ रहा है. इसके पहले यह घटे, व्यक्ति को जितना होश पूर्ण हो सके हो सके, बनना है. यदि हम जीवन पर बहुत श्रद्धा करते हैं, तो हम अचेतन होने की ओर प्रवृत्त हैं. यदि हम इस तथाकथित जीवन पर संदेह करते हैं; जो हमेशा मृत्यु पर समाप्त होता है; तब हम अधिक होश पूर्ण होते हैं और उस बोध में एक नए प्रकार का जीवन प्रारंभ होता है, उसके द्वार खुलते हैं; वह जीवन जो मृत्यु विहीन हैं, जो शाश्वत है, जो समय के पार है. - स्वामी ध्यान अभय, मो॰ 9971021330.

www.medicaldarpan.com

कैसे रखें अपने किडनी का ख्याल

किडनी या गुर्दे की बीमारी को 'साइलेन्ट किलर' भी कहा जाता है. क्योंकि प्रथम अवस्था में कभी भी इसका पता नहीं चलता है. किडनी शरीर का एक ऐसा अंग होता है जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को छानकर मूत्र के रूप में निकालने में मदद करता है. इसमें खराबी मतलब पूरे शरीर के कार्य में बाधा उत्पन्न होगा, इसलिए किडनी को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी होता है. लेकिन आज के आधुनिक युग की जीवनशैली के कारण किडनी की बीमारी होने का खतरा बढ़ गया है. इससे बचने के लिए सबसे पहले जरूरी है किडनी के शुरूआती लक्षणों के बारे में जानना - 1. मूत्र की मात्रा या तो बढ़ जाती है या कम हो जाती है. 2. मूल का रंग गाढ़ा हो जाता है. 3. बार-बार मूत्र होने का एहसास होता है मगर करने पर नहीं होता है. 4. रात को मूत्र की मात्रा या तो कम हो जाती है या अधिक. 5. मूत्र का त्याग करने के वक्त दर्द होना. 6. मूत्र में रक्त का आना. 7. झाग (foam) जैसा मूत्र. 8. पैर, हाथ और चेहरे में सूजन आदि. यह तो किडनी के बीमारी के आम लक्षण हैं जिसका थोड़ा भी एहसास होने पर तुरन्त इसकी जाँच करवायें. और चिकित्सक के सलाह के अनुसार इलाज करना शुरू करें नहीं तो समय के साथ स्थिति खराब होती जाती है. पिछले कुछ वर्षों में भारत में क्रॉनिक किडनी डिजीज यानी गुर्दे खराब होने की समस्या तेजी से बढ़ी है. शुरूआती दौर में जाँच और प्रबंधन से बीमारी को गम्भीर होने से रोका जा सकता है औश्र ऐसे में इलाज के परिणाम भी अच्छे आते हैं. इण्डियन मैडीकल एसोसियेशन (आईएमए) के राष्ट्रीय पद्मश्री डॉ० ए० मरतड पिल्लै और आईएमए महासचिव एवं हार्ट केयर फाऊंडेशन ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ० बी० सी० रॉय एवं डीएसटी नेशनल साइंस कम्पयुनिकेशन पुरस्कारों से सम्मानित डॉ० के० के० अग्रवाल का कहना है कि ऐसे लोग जिन्हें डायबिटिज, हाई ब्लड प्रैशर, एथरोक्लेरोटिक हार्ट डिजीज, पेरिफरल वस्कुलर डिजीज है और किडनी फेलियर का उनका पारिवारिक इतिहास है तो उनमें गुर्दा खराब होने का खतरा काफी ज्यादा रहता है. गुर्दा खराब होने के शुरूआती चरण में कोई भी लक्षण सामाने नहीं आता है.

www.medicaldarpan.com

AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

Location	Party Name	Contact No.
Agra	Satish Book Enterprises	9997877123
Ahmedabad	Bharat Medical Book House	9824013920
Akola	Book Emporium	9422861751
Aligarh	Rama Book Store	9319275252
Allahabad	Chetana Medical Books	9307978423
Amritsar	City Book Shop	0183-2571591
Amritsar	Medical Books & Surgicals Centre	0183-2422729
Aurangabad	Arihant Excel Medical Book House	9822259681
Aurangabad	Shri Samarth Book Depot	9822034577
Belgaun	Shri Ganesh Book Stall	8312461258
Berhampur	Book World	9861015189
Bhagalpur	Kora Kagaz	9771511779
Bhopal	Lyall Book Depot	0755-2543624
Bhubaneswar	Annapurna Medical Book Shop	9861243882
Bikaner	Academy Book Centre	9414138998
Burla	Bharat Book Emporium	9337335744
Calicut	Ramdas Sotes & Books	0495-2358398
Chennai	Chennai Medical Book Centre	044-66246369
Chennai	Shah Medical Books	9444829937
Coimbatore	Arasu Medical Book House	9444308567
Coimbatore	Balaji Medical Books	0422-6725292
Coimbatore	Dass Medical Book Shop	9443958620
Cuttack	Scientific Book Depot	9437020414
Delhi	Mirza Book Depot	9958723206
Delhi	Pawan Book Service	9810202316
Delhi	R.S.Book Store	9810546759
Delhi	Sagar Book Depot	9811680722
Delhi	University Book Store	9818357577
Dhulea	Koshal Book Shop	9423916592
Gorakhpur	Medical Book Centre	9450884543
Gwalior	Anand Pustak Sadan	9425114555
Indore	New Jain Book Stall	9926636333
Indore	Scientific Literature Company	9826299744
Jabalpur	Lords Book Sellers	9425155125
Jabalpur	Akash Pustak Sadan	9826563047
Jaipur	Kumar Medical Book Store	9829610430
Jammu	Bhartiya Pustakalaya	9796636000
Jammu	Narend Book Depot	9419114398
Jamnagar	Jay Medical Book Centre	9925236982
Jodhpur	Book World	9829088088
Jorhat	Naveen Pustakalaya	9435514204
Kolhapur	Ajab Pustakalaya	9881424434
Kolkata	Raj Book House	9432550891
Kota	R.K.Stationers	9829087574
Koti Hyderabad	Osmani Medical Book House	040-64644253
Koti Hyderabad	Paras Medical Books Pvt Ltd.	040-24600869
Koti Hyderabad	Sharp Medical Book Centre	040-65544303
Lucknow	Aditya Medical Books Pvt Ltd.	0522-2611724
Lucknow	Arora Book Agencies	0522-4046778
Ludhiana	Verma Book Depot	9872202530
Madurai	Medical Books & International	9344101063
Meerut	City Book Centre	0121-4056292
Meerut	Menakshi Prakashan	0121-2645498
Meerut	R LAL Book Depot	0121-2666235
Mumbai	The National Book Depot	022-24131362
Mumbai	Vikas Medical Book House Pvt Ltd.	022-23010441
Mumbai	Bhalani Medical Book House	022-24171660
Nagpur	New Medical Book Shop	9822225591
Nagpur	Book Source	9850943011
Patna	Current Book Service	9431077745
Pune	J D Granth Bhandar	020-24492832
Raipur	S.K.Medical Book House	9329637397
Raipur	Sristhi Book Stationery Mart	9300855027
Rajkot	Jay Books Medical Book	9925236984
Ranchi	Student Book Depot	0651-2221907
Saharanpur	Hans Pustak Bhandar	9457449388
Sangli	Tanavade & Sons	9823049499
Sri Nagar	Doctors Dotkom	9086454647
Tirupati	Shri Venketswar Book Depot	9885479105
Trivandram	Professional Book House	9495951506
Varanasi	Atithi Medical Books	9307978423
Varanasi	Current Book Agency	9335015235
Visakhapatnam	Andhra Medical Book Centre	9985716032
Visakhapatnam	World Medical Book Centre	9849022192

कितने प्रकार के होते हैं हृदय रोग और क्या हैं, इनके लक्षण

हृदय रोग ऐसी बीमारियाँ हैं, जिनसे आपका हृदय यानी दिल प्रभाावित होता है. 2016 में छपे जनरल सर्कुलेशन के अनुसार कार्डियोवस्कुलर रोग भारत सहित दुनियाभर के देशों में मौत का एक प्रमुख कारण हैं. अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के एक शोध में पाया गया है कि भारत में 26 साल की उम्र से कम के लोगों में हृदय रोगों का खतरा 34 प्रतिशत तक बढ़ गया है. इस शोध के मुताबिक भारत में हर 40 सेकेंड में एक व्यक्ति की मौत कार्डियोवस्कुलर रोगों से होती है. हालांकि कुछ लोग हृदय रोग का मतलब केवल हार्ट अटैक यानी हृदयाघात जानते हैं. मगर हार्ट अटैक के अलावा भी हृदय रोग कई प्रकार के होते हैं. आइए आपको बताते हैं कितने प्रकार के होते हैं हृदय रोग और क्या हैं इनके लक्षणः- **एरिथमियाः-** एरिथमिया एक ऐसी बीमारी है, जिसमें दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है. एरिथमिया के कारण रोगी के दिल की धड़कन कभी सामान्य से तेज हो जाती है और कभी सामान्य से धीरे हो जाती है. एरिथमिया तब होता है जब दिल की धड़कन को नियंत्रित करने वाले इलेक्ट्रिक वेव्स ठीक से काम नहीं करते हैं. दिल की धड़कन अनियमित हो जाने पर 0..आपको यह स्थिति अपने सीने, गले अथवा गर्दन में महसूस हो सकती है. **एरिथमिया के लक्षणः-** अचानक दिल की धड़कन तेज होना. • अचानक दिल की धड़कन धीरे होना. • ब्लड प्रेशर कम हो जाना. • सीने में तेज दर्द. • बोलने में परेशानी होना. • अचानक थकान और सुस्ती आ जाना. • चक्कर आना. • साँस लेने में परेशानी होना. • कुछ पलों के लिए धड़कन रूक जाना और फिर चलने लगना आदि. **एथेरोस्क्लेरोसिसः-** एथेरोस्क्लेरोसिस के कारण आपके दिल में ब्लड की सप्लाई कम हो जाती है. दिल तक सही मात्रा में ब्लड न पहुंचने से कई बार रोगी के लिए गंभीर स्थिति पैदा हो जाती है. एथेरोस्क्लेरोसिस कई कारणों से हो सकता है. आमतौर पर शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ी हुई मात्रा, इंसुलिन हार्मोन की मात्रा घटना, हाई ब्लड प्रेशर, अधिक धूम्रपान, कम शारीरिक मेहनत, अधिक उम्र और अनुवांशिक कारणों से हो सकता है. **एथेरोस्क्लेरोसिस के लक्षणः-** हाथ पैरों में ठंड लगना. • हाथ और पैरों में कंपकंपी. • बिना किसी वजह अचानक दर्द होना. • हाथ और पैरों में कमजोरी महसूस होना. • समय से पहले माथे पर झुर्रियां. • साँस लेने में परेशानी. • सिरदर्द की समस्या. • चेहरे पर सुन्न पड़ जाना. • पैरालिसिस हो जाना. **कॉन्जेनिटल हार्ट डिफेक्ट्स यानी जन्मजात हृदय दोषः-** जन्मजात हृदय दोष वो परेशानियां होती हैं, जो गर्भावस्था में ही शिशु के दिल में पैदा हो जाती हैं. गर्भ में हृदय और बड़ी रक्त वाहिनियों में विकास के दौरान हुए दोषों से इन विकारों का जन्म होता है. जब तक बच्चा गर्भाशय में रहता है या जन्म के तुरंत बाद तक गंभीर हृदय की खराबी के लक्षण साधारणतः पहचान में आ जाते हैं. लेकिन कुछ मामलों में यह तब तक पहचान में नहीं आते जब तक की बच्चा बड़ा नहीं हो जाता और कभी-कभी तो वयस्क होने तक यह पहचान में नहीं आता. इनमें से कुछ हृदय दोषों को कभी ठीक नहीं किया जा सकता है, जबकि कुछ का इलाज संभव है. आमतौर पर दिल में छेद होना ऐसी ही एक गंभीर समस्या है, जो कई शिशुओं में जन्म से पहले ही हो जाती है. **जन्मजात हृदय दोष के लक्षणः-** शरीर के अंगों जैसे मुंह, कान, नाखूनों और होठों में नीलपन दिखाई देने लगता है. • साँस लेने में परेशानी होना. • बार-बार फेफड़ो में संक्रमण होता है. • शारीरिक गतिविधियों के दौरान जल्दी थक जाना. • कई बार बच्चे थकान के कारण अचानक बेहोश हो जाते हैं. • शिशु को दूध पीने में परेशानी होना. • शिशु का वजन तेजी से कम होने लगना. • दूध पीते समय शिशु को पसीना आना. • शिशु के पैर, पेट और आंखों में सूजन आना. **कोरोनरी आर्टरी डिजीज (सीएडी) या कोरोनरी धमनी रोगः-** कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) या कोरोनरी हृदय रोग (सीएचडी) एक गंभीर अवस्था है. इसमें हृदय को ऑक्सीजन और पोषक तत्वों युक्त रक्त पहुँचाने वाली धमनियों में प्लाक जमने के कारण या क्षतिग्रस्त होने के कारण ये हृदय तक पूरी मात्रा में रक्त नहीं पहुँचा पाती हैं. दरअसल प्लाक के कारण कोरोनरी धमनियाँ सिकुड़ जाती हैं. जिसके चलते हृदय को कम मात्रा में रक्त प्राप्त होता है. **कोरोनरी धमनी रोग के लक्षणः-** सीने में तेज दर्द होना. • सीने में किसी दबाव या खिंचाव का महसूस होना. • बेचैनी और पसीना निकलना. • जी मिचलाना. • साँस लेने में परेशानी होना या साँस तेज हो जाना. • पेट में गैस बनना या अपच की समस्या. **कार्डियोमायोपैथीः-** कार्डियोमायोपैथी एक ऐसी बीमारी है, जिसके कारण दिल की माँसपेशियाँ बड़ी और कठोर हो जाती हैं. इसी कारण ये माँसपेशियाँ मोटी और कमजोर हो जाती हैं. कार्डियोमायोपैथी को लोग ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम भी कहते हैं क्योंकि अक्सर ज्यादा खुशी या ज्यादा गम होने पर व्यक्ति में इसके लक्षण देखे जा सकते हैं. कार्डियोमायोपैथी के कारण हार्ट फेल होने का खतरा होता है. हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका ज्यादा खतरा होता है. **कार्डियोमायोपैथी के लक्षणः-** साँस लेने में परेशानी होना. • आराम की स्थिति में भी साँस लेने में परेशानी होना. • पैरों, एड़ियों और तलवों में सूजन. • तरल पदार्थ के कारण पेट फूलने लगना. • लेटे हुए खांसी आना. • थकान. • दिल की धड़कन का तेज होना या असामान्य हो जाना. • छाती पर दबाव या वजन महसूस होना. • चक्कर आना और बेहोशी होना. **हार्ट इंफेक्शन या हृदय का संक्रमणः-** बैक्टीरिया हर जगह होते हैं. ये हमारे शरीर में भी होते हैं और हमारे रक्त में भी होते हैं. अगर किसी को दिल से जुडी कोई सामान्य बीमारी भी है, तो कई बार रक्त में मौजूद बैक्टीरिया डैमेज टिशु से चिपक जाते हैं और एक तरह के संक्रमण का कारण बनते हैं, जिसे एंडोकार्डाइटिस कहते हैं. दरअसल हृदय के अंदरूनी दीवार को एंडोकार्डियम कहते हैं. जब शरीर के किसी अन्य हिस्से से पहुँचे हुए बैक्टीरिया एंडोकार्डियम तक पहुँच जाते हैं, तो इंफेक्शन का कारण बनते हैं. **हार्ट इंफेक्शन के लक्षणः-** सीने में दर्द. • खाँसी आना. • बुखार आना. • तेज ठंड लगना. • त्वचा पर चकत्ते होना. **हार्ट अटैकः-** हार्ट अटैक हृदय रोग का कोई प्रकार नहीं है बल्कि ये एरिथमिया के अंतर्गत ही आता है. हार्ट अटैक एक ऐसी स्थिति है जब दिल के किसी हिस्से की एक या एक से ज्यादा मांसपेशियों में ठीक से ब्लड सप्लाई न हो पाने के कारण वो हिस्सा मर जाता है. आमतौर पर ऐसा तब होता है जब धमनियों में प्लाक जम जाने के कारण ब्लड की सप्लाई अवरूद्ध होती है. **हार्ट अटैक के लक्षणः-** • तेज खांसी आना. • जी मिचलाना. • उल्टी होना. छाती में तेज दर्द होना. • चक्कर आना. • सांस लेने में तकलीफ होना. • बैचेनी.

How Do We Protect ourselves From COVID-19?

The important hygiene principles to prevent the spread of CORONA VIRUS.

• Wash your hands regulary with soap and water, or an alcohol based hand cleaner. • Cover your nose and mouth with a tissue when you cough or sneeze. Alternatively, sneeze or cough into your inner elbow. • Dispose of used tissues into a plastic-lined rubbish bin immediately after use. • Avoid touching your eyes, nose or mouth as infections spread that way. • Not share eating utensils, food or drinks. • Clean surfaces regularly, such as bathroom sinks and taps, kitchen sinks and counters. • Don't go to work if you are unwell and don't send your children to school or childcare if they are unwell. Seek medical attention. • Don't shake hands, prefer 'NAMASTE'. • Maintain at least 1 meter distance to others if you are in a group. • Avoid to visit at a public place. - **Neeraj Sagar, Mob:- 9818883145.**

COVID-19 SPECIAL PAGE

घर में रहें, सुरक्षित रहें, सुरक्षा ही बचाव है

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस

द्वारा सम्मानित किये गये इस माह के **कोरोना योद्धा**

एनपीपीए ने सिप्ला को दिया निर्देश

कहा–टोसिलिजुमैब इंजेक्शन की आपूर्ति को बेहतर बनाए

नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने फार्मास्यूटिकल प्रमुख सिप्ला लिमिटेड को निर्देश दिया है कि वह गुजरात में टोसिलिजुमैब इंजेक्शन की आपूर्ति और उपलब्धता को बेहतर बनाए, जिसका इस्तेमाल कोविड-19 रोगियों के इलाज में हो रहा है. वहीं, राष्ट्रीय दवा मूल्य नियामक (National Drug Pricing Regulator) ने भी सिप्ला को गुजरात और देश के अन्य राज्यों के लिए तीन महीने की आपूर्ति योजना साझा करने के लिए कहा है. गुजरात FDCA कमिश्नर, डॉ. एचजी को. शिया ने बताया कि "ड्रग टोसिलिजुमैब इंजेक्शन मुख्य रूप से रुमेटीइड गठिया (Rheumatoid arthritis (RA) जैसे ऑटोइम्यून रोगों (Autoimmune Diseases) के लिए है, लेकिन इसने कोविड-19 उपचार में आशाजनक परिणाम दिखाए हैं, जो गांधीनगर सिविल अस्पताल में इसके उपन्यास पर आधारित है, जहां 40 से 45 आयु वर्ग के दो रोगियों को 7 मई, 2020 को वेंटिलेटर पर रखने से पहले ही सफलतापूर्वक पुनर्प्राप्त कर लिया गया था." उन्होंने आगे कहा, इस घटना को राज्य के स्वास्थ्य विभाग और मुख्यमंत्री के साथ साझा किया गया था. फिर, गुजरात FDCA की सिफारिश पर, राज्य की उच्च शक्ति COVID समिति ने राज्य में वितरकों को तत्काल आधार पर 20-25 शीशियों की खरीद का निर्देश दिया. गुजरात FDCA आयुक्त ने आगे बताया, "80 मिलीग्राम प्रति शीशी, 200 मिलीग्राम प्रति शीशी और 400 मिलीग्राम की खुराक में उपलब्ध है, लेकिन इंजेक्शन बहुत महंगा है। गुजरात सरकार ने कहा है कि मानव जीवन सर्वोपरी है और खर्च चिंता का क्षेत्र नहीं है. बता दें कि, गुजरात फूड एंड ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (FDCA) और NPPA के जारी पत्राचार के आधार पर, वर्तमान में बैंगलोर के सिप्ला डिपो से गुजरात के एक स्टाकिस्ट के पास से टोसिलिजुमैब के लेकर 250 इंजेक्शन लगाए गए हैं. वहीं, डॉ. कोशिया ने बताया, आज तक, रिटेल ड्रग सप्लाई के लिए 40 इंजेक्शन और सरकारी सप्लाई के लिए 210 इंजेक्शन रखे गए हैं, जहाँ मरीजों को दवा मुफ्त दी जाती है. भारत में, दवा एक्टेमरा (Actemra) नाम के ब्रांड के तहत बेची जाती है. रोशे फार्मा द्वारा निर्मित और मुंबई स्थित सिप्ला द्वारा निर्मित टोसिलिजुमैब का उपयोग आज COVID-19 रोगियों पर किया जा रहा है, जो संक्रमण की ओर अत्यधिक प्रतिरक्षा प्रणाली प्रतिक्रिया से पीड़ित हैं. वैसे इसे साइटोकिन तूफान कहा जाता है, जिससे बहु अंग विफलता और मृत्यु हो जाती है. कुछ परीक्षण अध्ययनों में टोसिलिजुमैब ने IL6 नामक एक प्रोटीन को संशोधित करके COVID-19 रोगियों में साइटोकिन प्रतिक्रिया को धीमा करने के लिए दिखाया है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने COVID-19 के महत्वपूर्ण रोगियों के लिए इस दवा का बहु-केंद्र परीक्षण शुरू करने के लिए अलग से भारत के कुछ अस्पतालों को मंजूरी दी है.

उत्कृष्ट उद्योग ने आयात की गुणवत्ता मानकों में सुधार के लिए बढ़या कदम

इंडियन फार्मा एक्सीपीएन्ट निर्माता अब आयात पर निर्भरता को कम और निर्माण के अपने गुणवत्ता मानकों में सुधार करने के लिए आक्रामक रूप से काम कर रहे हैं. वर्तमान में 70 प्रतिशत उत्पादकों का आयात किया जाता है. वहीं, यह चीन शोध के आयात का एक बड़ा स्रोत है. बता दें कि, इसका भारत में केवल 30 प्रतिशत का निर्माण होता है, जो कि बड़ी कंपनियों द्वारा किया जाता है. इंटरनेशनल फार्मास्युटिकल एक्सिपीशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (IPEC) और रेग्युलेटरी अफेयर्स मैनेजर, कलरकॉन एशिया के चेयरपर्सन विशाखा मेटकर का कहना है, इस क्षेत्र में कई मुद्दे जुड़े हुए हैं, जिनमें इनपुट कच्चे माल तक पहुंच और उत्पादन प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए कुशल श्रमिकों की कमी शामिल है. कई कंपनियों के दुनिया भर में आयात पर निर्भर होने का मुख्य कारण यह है कि घरेलू खिलाड़ी प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और मांग से मेल नहीं खाते हैं. इस वजह से अधिकांश सक्रिय फार्मास्युटिकल इन्ग्रीडिएंट (एपीआई) और फॉर्मुलेशन कंपनियां आयातित एक्सिपीयर का उपयोग करना पसंद करती हैं. मेटकर ने फार्माबिज को बताया, कई बार, फार्मास्युटिकल कंपनियों द्वारा की जाने वाली कठोर आवश्यकताएं उत्पादकों को आपूर्ति आदेशों को पूरा करने के लिए मुश्किल बनाती हैं. हालांकि, अगर एक्सपीरिएंस कंपनियां सुधार करने के लिए झुकती हैं, तो अकेले फार्मास्युटिकल क्षेत्र से उनका लाभ मार्जिन उत्पादन में उनके निवेश से अधिक होगा. शायद ही कुछ बड़े पैमाने पर निर्माता हैं. अगर निर्माण क्षेत्र को वैश्विक क्षेत्र में प्रतिनिधित्व देने की जरूरत है तो विनिर्माण, मोनोग्राफ और अन्य आवश्यकताओं के मौजूदा मानकों को अपग्रेड करना आवश्यक है. यहां तक की विनियमों के क्षेत्र में भी, भारत में उत्पादकों के लिए एक समर्पित दिशानिर्देश की आवश्यकता है. वर्तमान में, यह एक एपीआई के रूप में माना जाता है

और समान दिशानिर्देश लागू होते हैं. कुछ विशिष्ट खिलाड़ियों ने विनियमित बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने सिस्टम को अपग्रेड किया है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है. हालांकि यह अमेरिका और यूरोप वैश्विक सामंजस्य प्रक्रिया का एक हिस्सा हैं. वहीं, चीन अपने स्थानीय कड़े दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है, जिसने प्रतिस्पर्धा और उत्पाद की गुणवत्ता के लिए विनियमित बाजारों को देखने के लिए भारतीय उत्कृष्ट उद्योग बनाया है. यह भारत को 70% उत्पादकों को आयात करने में मदद करता है. वहीं, इसका शेष 30% अपने घरेलू उत्पादन के स्रोत से जुड़ा है. वैसे, इंडियन फार्मा एक्सीपीएन्ट अपने घरेलू बाजार में खपत के लिए विनियमित बाजारों और चीन के लिए अपनी दवाओं के यूरा. ेपीय और अमेरिकी स्रोतों पर बहुत अधिक निर्भर करता है. GMP मानकों और IPEC दिशानिर्देशों के अनुपालन के अलावा, भारतीय कंपनियों द्वारा लैक्टोज, हाइड्रॉक्सीप्रोपाइल मिथाइल सेलुलोज (HPMC), माइक्रो-क्रिस्टलीय सेलुलोज (MCC), polyvinylpyrrolidone (PVP), जैसे अन्य प्रमुख उत्पादकों के निर्माण के लिए निवेश की आवश्यकता है. हाल ही में, IPEC, अमेरिका, यूरोप, जापान, चीन और भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एक संघटित संस्था ने एक्सीपीएन्ट इनफार्मेशन पैकेज (EIP) उपयोगकर्ता गाइड का संशोधित संस्करण जारी किया क्योंकि यह विश्व स्तर पर उद्योग का आदर्श बन गया है. कई उत्कृष्ट उपयोगकर्ता अब अपने प्रोसेस का उपयोग करने के बजाय अपने आपूर्तिकर्ताओं से उनके EIP के लिए पूछते हैं. भारतीय दस्तावेज उद्योग को इस दस्तावेज से लाभ होगा क्योंकि यह उन्हें वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप लाएगा. वे यह सुनिश्चित करते हुए समय पर और कुशल तरीके से जवाब दे सकते हैं कि विभिन्न ग्राहकों से विभिन्न फॉर्म भरने की तुलना में लगातार और सटीक जानकारी प्रदान की जाती है. यह प्रक्रिया उपयोगकर्ताओं और आपूर्तिकर्ताओं दोनों की सहायता करती है. मेटकर ने कहा कि गाइडलाइन तैयार करने में आईपीईसी इंडिया का प्रतिनिधित्व करने वाला एक टीम सदस्य रहा है. IPEC इंडिया अपने वैश्विक निकाय के समर्थन के साथ देश में निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लाभ के लिए डेटा इंटीग्रिटी, एक्सपीरिएंट कंपोजिशन गाइड, GMP, क्वालिटी एग्रीमेंट और विभिन्न संबद्ध विषयों पर कई दिशानिर्देश लाता है.

फार्मा उद्योग अनुसंधान और विकास के व्यावसायीकरण के लिए शिक्षाविदों के साथ काम करेगा: राकेश के चितकारा

ग्लोबल गवर्नमेंट अफेयर्स (दक्षिण एशिया) में एबॉट हेल्थकेयर के वरिष्ठ निदेशक राकेश के चितकारा का कहना है कि उद्योग और अकादमिक साझेदारी न केवल तालमेल बनाती है, बल्कि कोविड-19 महामारी के वर्तमान परिदृश्य में आवश्यक गति से समाधान विकसित करने और बढ़ाने के लिए एक गुणक प्रभाव है. भारत के इस क्षेत्र में पहले से ही विश्व स्तर पर जो कुछ भी हो रहा है, उसकी आवश्यकता है, जहां प्रमुख पेटेंट के साथ उद्योग और काम किया जाता है. उन्होंने आगे कहा कि इन व्यावसायीकरण की क्षमता देखी जाती है। COVID-भारत ने सरकार के अलावा उद्योग और अकादमियों के थी, जो एक साथ काम करने का संकेत देती थी. इस बीमारी COVID-19 कैसे बदल रही है और विक. इसलिए, निश्चित रूप से उद्योग और अकादमिक करने की जरूरत है। CII सत्र फार्मास्यूटिकल्स में विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श की भी हुए, उन्होंने कहा कि उद्योग और अकादमिक सहयोग तक भारत में, सहयोग के लिए पर्याप्त संभावनाएं हैं। भारत को COVID-19 को रोकने के लिए बुरी तरह के लिए विभिन्न वैक्सीन उम्मीदवारों की भारी समेत फार्मा कंपनियों ने बोस्टन, मैसाचुसेट्स, हार्वर्ड मिलकर काम शुरू किया है. एक देश विशिष्ट परिषद (Indian Council of Medical रहा है, लेकिन जिस तरह से वैश्विक अकादमिक और इसका अनुवाद करते हैं, जिसे वह मरीजों तक ले समय व्यतीत करते देखा जाता है. चितकारा ने आगे अनुसंधान संस्थानों के साथ अनुसंधान और विकास यह भी आकलन करना चाहिए कि क्या उद्योग का

तुलना में इस क्षेत्र में बहुत कुछ करने की शिक्षा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निर्बाध रूप से साझेदारियों से निकलने वाली प्रमुख खोजों में 19 महामारी के पिछले तीन महीनों के दौरान, साथ सहयोग करने की जबरदस्त क्षमता दिखाई गति का अध्ययन करना चाहिए कि वर्तमान सित हो रही है, अन्यथा हम पीछे रह जाएंगे. भागीदारी को बढ़ाने या मौजूदा लोगों को मजबूत सफल उद्योग-अकादमी सहयोग में शामिल आवयश्कता है. एक अध्ययन का हवाला देते का विश्व स्तर पर 100 अंक बढ़ गए हैं. यहां कहीं न कहीं यह कार्य करने का समय है, जब से वैक्सीन की आवश्यकता है, क्योंकि परीक्षण आवश्यकता है. अब शुरू करने के लिए एबॉट और ऑक्सफोर्ड के विश्वविद्यालयों के साथ दृष्टिकोण से, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान Research (ICMR)) काफी काम कर संस्थान क्लिनिकल ट्रायल में सहयोग करते हैं, जाते हैं, उन साझेदारियों को स्थापित करने में कहा कि अब भारत में, हमें इन सरकारी गतिविधियों पर समय बिताने की जरूरत है, और वित्तपोषण पर्याप्त है. सीआईआई उत्तरी क्षेत्रीय कमेटी ऑन लाइफ साइंस में नेक्टर लाइफसाइंसेस के एफमेक्ससिल, कार्यकारी निदेशक और चेयरमैन डॉ. दिनेश दुआ ने कहा कि अब उद्योग और शिक्षा करीब काम कर सकते थे। अगर उनकी मानसिकता है, तो बहुत कुछ हो सकता है. वहीं, हम अभी जेनरिक के कॉपीकैट संस्करणों को जारी रखते हैं. सहयोग की आवश्यकता पर पुनर्विचार करते हुए, चितकारा ने आगे कहा कि फार्मा उद्योग अनुसंधान और विकास के व्यावसायीकरण के लिए शिक्षाविदों के साथ जुड़ रहा है.

3 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक, बुलन्दशहर के जो कि फार्मा दर्पण खाता संख्या 1824002100118703, IFSC Code - PUNB0182400 Branch- Deputy Ganj के नाम से है, में रू० 250/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09410434811 पर ैडे कर दें

IPAB ने कैंसर रोधी दवा Ibrutinib की फार्मास्युटिकल्स पेटेंट पर अंतरिम रोक लगाई!

बौद्धिक संपदा अपीलीय बोर्ड (Intellectual Property Appellate Board (IPAB) ने भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा कैंसर-रोधी दवा Ibrutinib के लिए फार्मास्युटिकल्स के पेटेंट को हटाते हुए जारी किए गए एक आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है. फार्माकाइक्लिक इंक, एक सिलिकॉन वैली-आधारित बायोफार्मास्युटिकल कंपनी है, जिसका ब्रांड नाम 'इम्ब्रूविका' है। बता दें कि, इसके तहत एबवी के कुछ हिस्सों द्वारा बेचे जाने वाले इब्रुटिनिब का उपयोग वयस्कों के साथ किया जाता है, जिसमें मेंटल सेल लिम्फोमा (mantle cell lymphoma (MCL), क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया (chronic lymphocytic leukaemia (CLL)/छोटे लिम्फोसाइटिक लिंफोमा (small lymphocytic lymphoma (SLL), वाल्डेनस्ट्रॉम की मैक्रोग्लोबुलिनमिया (WM), सीमांत क्षेत्र लिम्फोमा (marginal zone lymphoma (MZL) और पुरानी बीमारी बनाम मेजबान रोग (chronic graft versus host disease (cGVHD) वयस्क शामिल हैं. 4 मार्च, 2020 को जारी एक आदेश में, पेटेंट और डिजाइन के संयुक्त नियंत्रक एनआर मीणा ने लौरस लैब्स द्वारा दायर एक पोस्ट-ग्रांट विपक्ष पर आधारित पेटेंट को रद्द कर दिया था। पेटेंट कार्यालय ने फार्माकाइक्लिक द्वारा किए गए दावों को कला में कुशल एक सामान्य व्यक्ति के लिए स्पष्ट किया है, और कहा है कि दवा में किसी भी आविष्कारशील कदम का अभाव है, जो इसे अन्य मौजूदा योगों से बेहतर बना देगा. वहीं, फार्माकाइक्लिक के अनुसार, ibrutinib एक छोटा अणु है जो प्रोटीन किनेज नामक एक एंजाइम को रोक कर काम करता है. दरअसल, यह उस दर को नियंत्रित करता है, जिस पर कुछ कोशिकाएं गुणा करती हैं. यह दावा करता है कि दवा मौजूदा कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी समाधानों से अलग तरह से काम करती है. यह एक बार दैनिक, प्रथम श्रेणी में ब्रूटन के टायरोसिन किनसे (BTK) अवरोधक को मौखिक रूप से प्रशासित किया गया है, और फार्मास्युटिकल्स और जानसेन बायोटेक, इंक द्वारा संयुक्त रूप से विकसित और वाणिज्यिक किया गया है. फार्माकाइक्लिक ने 2009 में पइतनजपदपइ के लिए एक पेटेंट आवेदन दायर किया और 25 सितंबर, 2014 को एक पेटेंट प्राप्त किया. लौरस ने 24 सितंबर, 2015 को अन्य लोगों के बीच नवीनता और आविष्कारशील कदमों की कमी का हवाला देते हुए पोस्ट-ग्रांट चुनौती दी. Natco Pharma ने दिसंबर 2019 में 38,000 रु के विपरीत प्रति माह में दवा का एक सामान्य संस्करण लॉन्च किया, जिसमें इमब्रुविका के लिए 4 लाख का कोर्स मौजूद था. वहीं, इसके लिए नातको ने लौरस लैब्स के साथ करार किया. 18 दिसंबर, 2019 को फार्मासाइक्लिक ने अपने पेटेंट Ibrutinib का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष छंजबव और स्नतने लैब्स पर मुकदमा दायर किया। वहीं, मार्च में फार्माकाइक्लिक के पेटेंट को खारिज करने के पेटेंट कार्यालय के आदेश के आधार पर, नैटको और लौरस ने दिल्ली उच्च न्यायालय में अमेरिकी दवा निर्माता द्वारा दायर पेटेंट उल्लंघन के मुकदमे को खारिज करने की मांग की. फार्माकाइक्लिक ने कहा कि यह अगले दो सप्ताह के भीतर आईपीएबी के समक्ष अपील दायर करेगा और उसी आधार पर स्थगन के लिए कहा जाएगा। उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए एक सशर्त आदेश पारित किया कि अगर आईपीएबी सुनवाई की अगली तारीख तक एक अंत. रिम स्थगन आदेश पारित नहीं करता है, तो फिर से पुनर्जीवित किए जाने की स्वतंत्रता के साथ मुकदमा खारिज कर दिया जाएगा. आईपीएबी कोविड -19 के प्रकोप के कारण केवल जरूरी मामले उठा रहा था। उसने 26 मई, 2020 से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने कामकाज को फिर से शुरू किया और 12 जून, 2020 को इस मामले को उठाया। वहीं, आईपीएबी ने स्टे आर्डर को पारित कर दिया। पेटेंट और डिजाइन के संयुक्त नियंत्रक के खिलाफ आद. ेश "याचिकाकर्ता (फार्माकाइक्लिक) के लिए अपूरणीय क्षति" की आशंका पर और 9 जुलाई, 2020 को अपील की अंतिम तिथि निर्धारित की. वहीं, इसने फार्मास्युटिकल्स के मुकदमे को दिल्ली उच्च न्यायालय में खारिज होने से रोक दिया. IPAB का निर्णय इसके अध्यक्ष (सेवानिवृत्त) न्यायमूर्ति मनमो. हन सिंह और बोर्ड के एकमात्र तकनीकी सदस्य डॉ. ओंकार नाथ सिंह द्वारा दिया गया था. IPAB ने अपीलकर्ताओं ने यह तर्क देते हुए कहा कि (i) दिल्ली उच्च न्यायालय के मामले को खारिज कर दिया जाएगा। (ii) पेटेंट कार्यालय ने पक्षकारों द्वारा दायर अतिरिक्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं. 20 नवंबर, 2019 के आदेश पर उच्च न्यायालय द्वारा निर्देश दिया गया था। और (iii) पेटेंट कार्यालय ने मन के आवेदन के बिना स्पष्टता पर निर्णय लिया. वर्तमान मामले में बोर्ड ने पेटेंट कार्यालय के आदेश के खिलाफ आवेदक के आरोपों के आधार पर केवल अनिवार्य रूप से एक स्टे आर्डर देने के पक्ष में फैसला किया, क्योंकि सुनवाई के दिन इसकी ओर से कोई प्रतिनिधित्व नहीं किया गया था. पेटेंट के विशेषज्ञों ने कहा कि इसने पेटेंट कंपनियों के पेटेंट कार्यालय को समान आधार पर अंतरिम ठहराव के लिए IPAB से संपर्क करने के लिए जेनरिक कंपनियों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं.

इस खास चीजों से रख सकते हैं अपनी इम्युनिटी को सेहतमंद

क्या आपका इम्मयून सिस्टम कमजोर है, जिसकी वजह से आपको इंफेक्शन बहुत जल्दी हो जाता है? देखा जाए तो इम्मयून सिस्टम के कमजोर होने का सबसे बड़ा कारण है डायट में न्यूट्रीएंट्स की कमी. जी हां, अगर शरीर में न्यूट्रीएंट्स की कमी हो, तो आपका इम्यून सिस्टम तो कमजोर होगा ही. इसके साथ ही आप जल्द ही बीमारियों की चपेट में भी आ जाते हैं. खैर, घबराने वाली बात नहीं है, क्योंकि अगर आप अपनी रोजमर्रा की डाइट में कुछ पौष्टिक आहार शामिल कर लें, तो आपका इम्मयून सिस्टम को मजबूत होगा ही साथ ही आप हमेशा सेहतमंद भी रहेंगे. आप चाहें तो सब्जियां अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं, ये काफी हैल्थी होगा. क्या आप जानते हैं इन सब्जियों को खाने से कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग की संभावना कम होती है. इनसे शरीर को विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं, जिनसे इम्यून सिस्टम तंदुरुस्त रहता है. खासकर इन सब्जियों को जरूर शामिल करें, जैसे- मेथी, पालक, गाजर और टमाटर. वहीं, फलों से इम्मयून सिस्टम तो तंदरूस्त तो होता ही है. इसके साथ ही आपकी त्वचा भी निखरती है. ये एंटी-ऑक्सीडेंट के भंडार होते हैं. इन्हें रोज खाया जाना चाहिए. आप इन फलों को शामिल कर सकते है, जैसे- सेब, संतरा, अंगूर, बेरीज, केला, नाशपाती, तरबूज और आड़ू आदि. इसके साथ ही आप अपनी डाइट में सलाद और अनाज भी शामिल कर सकते हैं, जैसे- खीरा, मूली, बीटरूट, नीबू, बीन्स, दाल, सोयाबीन और तिल आदि. खैर, आप इनके अलावा चाहें तो अपने स्वाद अनुसार सारे हैल्थी फूड्स को खा सकते हैं, जिससे आपका इम्मयून सिस्टम स्ट्रांग रहे और आप सेहतमंद लाइफ एन्जॉय कर सकें.

कोरोना वारियर्स के रूप में अहम भूमिका निभाने पर जयराम को बेस्ट सीएम अवार्ड

(मुख्यमंत्री ने अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसाइटी की सराहना की)

नालागढ़:- एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया विश्वस्तरीय व अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसाइटी बीबीएन उत्तर भारत के हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में सामा. जिक गतिविधियों में भूमिका अदा करने के रूप में जानी जाती है. गत दिवस एंटी करप् शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया व अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसाइटी बीबीएन की ओर से अमित सिंगला वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष एवं एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुमित सिंगला ने प्रदेश सविचालय शिमला में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को कोरोना वारियर्स के रूप में अहम भूमिका अदा करने के लिए बेस्ट सीएम अवार्ड से नवाजा. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसाइटी की सराहना करते हुए कहा कि यह सोसाइटी बेहतरीन कार्य कर रही है. सोसाइटी की उपलब्धियों की मैगजीन केयर फॉर अस का भी मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष विमोचन किया था. मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के दौरान प्रदेश की जिन संस्थाओं ने अपनी अहम भूमिका निभाकर सरकार को सहयोग किया है सरकार उनकी ऋणी है. उन्होंने दोहराया कि कोविड-19 के दौरान सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इन संस्थाओं ने सहयोग किया जिसके परिणाम स्वरूप प्रदेश में कोरोना काफी नियंत्रित रहा. अमित सिंगला वेलफेयर सोसाइटी सामाजिक गतिविधयों जैसे रक्तदान कैंप लगाने, प्रोटोकॉल के तहत लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग बारे जागरूक करने, निशुल्क मास्क व सैनिटाइजर वितरण करने, मुफ्त का लंगर लगाने, समय-समय पर पौधारोपण, रक्तदान शिविर के कार्यक्रम आयोजित करने के रूप में जानी जाती है. यही नहीं सोसाइटी का नाम पूरे बीबीएन में 20 हजार पौधे लगा चुके हैं, वहीं पंजाब हरियाणा, चंदीगढ़ में करीब पचास हजार पौधे लगा चुकी है. इस मौके पर एन्टी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुमित सिंगला ने कहा कि संस्था ने प्रदेश के मुख्यमंत्री की कार्यप्रणाली सूझबूझ लोगों से तालमेल सहित अन्य उपलब्धियों के बारे में उन्हें नवाजा है. - हंसराज मेहता, मो॰ 09814132529 (इंचार्ज), पटियाला, पंजाब

एंटीवायरल रेमडेसिवीर की जरूरत ने मुंबई में काला बाजारी को दिया बढ़ावा?

मुंबई में कोविड-19 के उपचार के दौरान निर्धारित एंटीवायरल रेमडेसिवीर के लिए काला बाजारी को बढ़ावा मिल गया है. दरअसल, कुछ डॉक्टरों ने संकेत दिया है कि रेमडेसिवीर दवा की कमी के कारण अवैध रूप से इसकी सही कीमत से इसे पांच गुना करके अधिक कीमत पर बेचा जा रहा है. बता दें की, कई निजी अस्पतालों ने ये दवा निर्धारित की है, और रोगियों के रिश्तेदारों से इसे खरीदने के लिए कहा है. क्या आप जानते हैं कि कुछ डॉक्टर यह कहते हुए रिकॉर्ड पर नहीं आना चाहते थे कि यह केवल हल्के से मध्यम गंभीर परिस्थितियों वाले रोगियों के लिए उपयोगी था. अमेरिका के गिलियड साइंसेज से लाइसेंस के तहत भारत में ड्रग की बिक्री करने वाले हेटेरो लैब्स और सिप्ला द्वारा वसूले गए 5,400 रुपये के मुकाबले रेमडेसिवीर की ब्लैक मार्केट में कीमत 14,000-28,000 रुपये है। वहीं, इसके एक पाठ्यक्रम में पांच शीशियां शामिल हैं. मुंबई के एक निजी अस्पताल के एक डॉक्टर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर ईटी से बात करने वाले एक डॉक्टर के हवाले से बताया, "मुझे यकीन नहीं है कि रेमडेसिवीर के लिए यह एक मामला क्यों है, और अस्पताल इतने सारे मरीजों के रिश्तेदारों को इस दवा को खरीदने के लिए क्यों प्रेरित कर रहे हैं." डॉक्टर ने दावा किया है, "यह जीवनरक्षक दवा नहीं है, सामान्य विकल्प हैं, जो सस्ते हैं. मैं यहीं कहूंगा कि इस काला बाजारी की जांच होनी चाहिए. आप ये बताएं कि क्या इसे अंधाधुंध तरीके से धकेला जा रहा है?" बता दें कि, डॉक्टर ने आगे बताया कि वह एक ऐसे व्यक्ति के बारे में जानते हैं, जो 18,000 रुपये में एक शीशी बेच रहा है। साथ ही वह एक दिन में 250 शीशियां बेचने में कामयाब रहा है. वैसे, ईटी ने इस पर महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन वह टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे. इस बीच, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर कहा है कि वे कालाबा. जारी की शिकायतें मिलने के बाद रेमडेसिवीर की बिक्री पर कड़ी निगरानी रखें. वैसे, मुंबई में म्युनिसिपल कॉरपोरेशन द्वारा संचालित सायन हॉस्पिटल के पूर्व डीन डॉ. सुलेमान मर्चेंट ने कहा कि उन्होंने उन रोगियों के लिए रेमडेसिवीर के अत्यधिक नुस्खे देखे हैं, जिन्हें शायद इसकी आवश्यकता भी नहीं है. डॉ मर्चेंट ने कहा, "मैं यह कहना चाहूंगा कि यह डॉक्टरों के बीच सहकर्मी के दबाव के कारण हो रहा है. वैसे, वह लोग रोगियों के रिश्तेदारों को दवाई का उपयोग करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसके चलते यह दवा बनाई जा रही है. मैं Ivermectin + Doxycycline combination, या Dexamethasone का सुझाव दे रहा हूं, जो सस्ता है." क्या आप जानते हैं कि भारत में प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग के लिए स्वीकृत, शुरू में हेपेटाइटिस सी से लड़ने के लिए बनाई गई दवा थी, और फिर इबोला के खिलाफ असफल परीक्षण किया गया था. वहीं, यू.एस. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ द्वारा एक परीक्षण के प्रारंभिक आंकड़ों के बाद इसे अमेरिकी स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा अनुकूल रूप से देखा जाने लगा. कोविड-19 रोगियों में से कुछ की पुनर्प्राप्ति समय को कम करने में यह प्रभावी पाया गया. यूरोपीय संघ ने इसे कोविड-19 चिकित्सा के लिए सशर्त मंजूरी दे दी है.

बेटियाँ पारस होती है

अगर बेटा वारिस है, तो बेटी पारस है।
अगर बेटा वंश है, तो बेटी अंश है।
अगर बेटा आन है, तो बेटी गुमान
अगर बेटा आग है, तो बेटी बाग है
अगर बेटा दवा है, तो बेटी दुआ है।
अगर बेटा भाग्य है, तो बेटी विद्याता है।
अगर बेटा शब्द है, तो बेटी अर्थ है।
अगर बेटा गीत है, तो बेटी संगीत है.
जब इतनी कीमती है बेटियाँ।
तो फिर क्यों खटकती हैं मन को बेटियाँ।
जबकि सबको पता है,
बेटों को भी जन्म देती हैं बेटियाँ।

Dr. V.K. Khullar
Mob:- 09811642645.

www.medicaldarpan.com

Happy Birthday

D.O.B.	NAME	FIRM	MOB.	CITY	STATE
25.06.83	MOH. AJMAL KHAN	NEW DESI DAWA GHAR	9415313955	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
25.06.75	SHRI ASHISH KUMAR GUPTA JI	HARIOM MEDICAL AGENCIES	9935139954	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
25.06.81	SHRI ASHU TASH GUPTA JI	HARI KRIPA PHARMA	9935785441	LUCKNOW	UTTAR PRADESH
26.06.71	SHRI ARUN RAJANI JI	AJAT MEDICAL STORE	9370767647	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
26.06.59	SHRI ARJUN SINGH JI	WIDHWA AGENCY	9414444867	MADHOPUR	RAJASTHAN
01.07.67	Y.AHOK KUMAR JI	SH. SAI SHARADHA ENTERPRISES	9620325418	BIDAR	KARNATAHA
01.07.80	SHRI AMIT KUMAR GUPTA JI	OMKAR MEDICAL AGENCY	9838687074	GONDA	UTTAR PRADESH
01.07.79	SHRI AMIT ARYA JI	JIVAN JYOTI ENTERPRITES	9450438302	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
02.07.73	SHRI ASHOK KUMAR SHARMA JI	NATIONAL CHEMIST	9224617258	MUMBAI	MAHARASHTRA
05.07.70	SHRI AJAY PATHAK JI	PIYUSH MEDICOS	9425155191	JABALPUR	MADHYA PRADESH
07.07.81	SHRI ARVIND SHARMA JI	ARVIND MEDICAL STORE	9811602773	FARIDABAD	HARYANA
08.07.70	SHRI ASHOK KUMAR GUPTA JI	M.R. MEDICOS	9335430312	KANPUR	UTTAR PRADESH
08.07.49	SHRI DR. AVINASH VIRMANI JI	SUBHASH BROTHER	9379023907	JWALPUR	HARDWAR
09.07.69	SHRI AKHILASH SRIVASTAVA JI	SAI LADIES COLLECTION	8400078678	GORAKHPUR	UTTAR PRADESH
10.07.72	SHRI AJAY JI	GCW ENTERPRIES	9829382074	UDAIPUR	RAJASTHAN

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस की तरफ से आप सभी को जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनायें

26 जून से 08 जुलाई तक के त्यौहार

26.06.2020	स्कन्द षष्ठी
27.06.2020	अष्टाहिनका विधान प्रारम्भ
28.06.2020	मासिक दुर्गाष्टमी
01.07.2020	देवशयनी एकादशी, गौरी व्रत प्रारम्भ
02.07.2020	वासुदेव द्वादशी, प्रदोष व्रत, जयापार्वत व्रत प्रारम्भ
04.07.2020	चौमासी चौदस, कोकिला व्रत, पूर्णिमा उपवास
05.07.2020	व्यास पूजा, आषाढ़ पूर्णिमा, गुरू पूर्णिमा, गौरी व्रत समाप्त, चन्द्र ग्रहण, अष्टाहिनका विधान पूर्ण
06.07.2020	सावन प्रारम्भ, श्रावण सोमवार व्रत
07.07.2020	मंगला गौरी व्रत
08.07.2020	जयापार्वती व्रत समाप्त, संकष्टी चतुर्थी

निकुँज स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटिड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी0एन0 मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग